हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - CTHIN/25/A0716

मूक पत्रिका

निष्पक्ष, निर्भीक, स्वतंत्र आवाज...

वर्ष - 02 अंक - 256 बेमेतरा, सोमवार 11 मई 2026 रायपुर एवं बेमेतरा से प्रकाशित कुल पेज - 08 मूल्य - 5 रूपये डाक पंजीयन- दुर्ग/1743290201/2025-27

पहला कॉलम

कार और बाइक में भिड़ंत, तीन युवकों की मौके पर मौत

बालोद। जिले के डौंडीलोहारा थाना क्षेत्र में आज दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। खैरडीह गांव के पास कार और मोटरसाइकिल में हुई भिड़ंत में बाइक सवार तीन युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। इस घटना के बाद इलाके में मातम पसर गया है। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। जानकारी के मुताबिक मृतकों की पहचान तरुण कुमार यादव पिता मिनेन्द्र यादव (20 वर्ष), राहुल सेवता पिता सावंत सेवता (20 वर्ष) दोनों सीर्राभाठा निवासी और नरेंद्र भुआर्य पिता पुरषोत्तम भुआर्य (21 वर्ष) ग्राम मुड़खुसरा के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि कार दल्लीराजहरा से राजनांदगांव की ओर जा रही थी, जबकि बाइक सवार देवरी की तरफ से डौंडीलोहारा आ रहे थे। इसी दौरान खैरडीह गांव के पास दोनों वाहनों के बीच आमने-सामने की जोरदार टक्कर हो गई।

कुशीनगर ईंट भट्ठे पर दर्दनाक हादसा, गड्ढे में डूबने से तीन बच्चों की मौत

कुशीनगर। सुबह कसया थाना क्षेत्र के ग्रामसभा मैनपुर के टोला दीनापट्टी स्थित एक ईट भट्ठे पर ईट के लिए मिट्टी निकाले गए गड्ढे में बरसात का पानी भरा था जिसमें चार मासूम बच्चे खेलते खेलते गड्ढे में गिर गए। जिसमें से एक बच्चा किसी तरह गड्ढे से निकलकर बाहर आया और परिजनों को सूचना दिया। जिसके बाद मौके पर पहुंच परिजन सभी बच्चों को बाहर निकाले और सीएचसी कसया ले आए। जहां डॉक्टरों ने जांचोपरांत तीनो बच्चों को मृत घोषित कर दिया। जानकारी के अनुसार, शनिवार की सुबह लगभग साढ़े सात बजे दीनापट्टी गांव स्थित पंकज ईट उद्योग भट्टे पर छत्तीसगढ़ के मजदूर परिवार मजदूरी कर जीवकोपार्जन करते है। घटना के दिन सभी परिजन भट्ठे पर कार्य कर रहे थे वहीं उनके बच्चे अभय (3वर्ष) पुत्र पंचु निवासी फरहदा जिला बिलासपुर छत्तीसगढ़, अनन्या (7) पुत्री लखन निवासी अकलतारा जिला जांजगीर चांपा बाना छत्तीसगढ़, अनुष्का (ढाई वर्ष) पुत्री सुखन निवासी फरहदा जिला बिलासपुर छत्तीसगढ़ एक और बच्चे के साथ खेल रहे थे।

पत्नी ने प्रेमी संग मिलकर पति को उतारा मौत के घाट

शिवमोग्गा। कर्नाटक में भद्रावती कोर्ट ने पति की हत्या के मामले में एक महिला और उसके प्रेमी को मौत की सजा सुनाई है. आरोप यह था कि, महिला ने अपने प्रेमी के साथ मिलकर अपने पति की हत्या की थी. कोर्ट की तरफ से आरोपियों को दोषी ठहराये जाने के उन दोनों को मौत की सजा सुनाई गई. पीड़ित शख्स शिवमोग्गा के भद्रावती में सुरगिनथोपी का रहने वाला था. उसकी पत्नी और उसका प्रेमी दोषी अपराधी है. खबर के मुताबिक, पति उसके रिश्ते में रुकावट डाल रहा था. ऐसे में पत्नी और उसके प्रेमी ने मिलकर हत्या की योजना बनाई. आरोपी महिला और उसके प्रेमी ने ड्रग्स का इस्तेमाल करके महिला के पति को बेहोश कर दिया और फिर उसे गला घोंटकर मार डाला. इस अपराध को अंजाम देने में प्रेमी ने भी मदद की.इस बारे में भद्रावती के पेपर टाउन पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया था.

पेट्रोलियम उत्पादों का संयम से करें इस्तेमाल

पीएम मोदी बोले-एक साल तक न करें सोने की खरीद

हैदराबाद/ एजेंसी

पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और दुनिया में गहराते ऊर्जा संकट के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोगों से पेट्रोलियम उत्पादों का संयम से इस्तेमाल करने की अपील की है। उन्होंने कहा कि पेट्रोल, डीजल और गैस जैसी चीजों का जरूरत के हिसाब से उपयोग करना समय की सबसे बड़ी जरूरत है। साथ ही पीएम मोदी सोने की खरीद को लेकर भी लोगों से अपील करते हुए कहा कि घर में कोई भी फंक्शन हो, कोई भी कार्यक्रम हो हम एक साल तक सोने के गहने नहीं खरीदेंगे। विदेशी मुद्रा बचाने के लिए हमारी देश भक्ति हमें चुनौती दे रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि भारत बड़ी मात्रा में पेट्रोलियम उत्पाद विदेशों से आयात करता है। ऐसे में अगर लोग जरूरत से ज्यादा पेट्रोल, डीजल और गैस का इस्तेमाल करेंगे तो इसका सीधा असर देश की अर्थव्यवस्था पर पड़ेगा। उन्होंने कहा कि दुनिया इस समय बड़े ऊर्जा संकट से गुजर रही है और पश्चिम एशिया में जारी तनाव ने चिंता और बढ़ा दी है। पीएम मोदी ने लोगों से अपील की कि पेट्रोलियम उत्पादों का उपयोग बहुत सोच-समझकर करें। उन्होंने कहा कि इससे न केवल विदेशी मुद्रा बचेगी बल्कि युद्ध और वैश्विक संकट का असर भी कम होगा। पीएम मोदी ने कहा कि सोने और सोने के आभूषणों की खरीद पर देश की बड़ी मात्रा में विदेशी मुद्रा खर्च होती है। पीएम मोदी ने कहा कि पहले युद्ध और राष्ट्रीय संकट के समय लोग देशहित में अपना सोना तक दान कर देते थे। अब दान की जरूरत नहीं है, लेकिन देशहित में लोगों को एक साल तक सोना और सोने के गहने खरीदने से बचना चाहिए। उन्होंने कहा कि देश की आर्थिक ताकत और संसाधनों की रक्षा करना भी देशभक्ति का हिस्सा है। दुनिया भर में सप्लाई चेन का एक बड़ा संकट चल रहा है और यूक्रेन युद्ध ने इन वैश्विक मुश्किलों को और ज्यादा बढ़ा दिया है। हालांकि, भारत सरकार पिछले 5-6 वर्षों से इस संकट से निपटने के लिए लगातार काम कर रही है। हमको ये तय करना होगा, घर में कोई भी फंक्शन हो, कोई भी कार्यक्रम हो हम एक साल तक सोने के गहने नहीं खरीदेंगे। विदेशी मुद्रा बचाने के लिए हमारी देश भक्ति हमें चुनौती दे रही है। आज पूरी दुनिया में खाद (फर्टिलाइजर) की एक बोरी लगभग 3000 रुपये में बिक रही है, लेकिन भारत सरकार अपने किसानों को वही खाद की बोरी 300 रुपये से भी कम कीमत में उपलब्ध करा रही है।

ऊर्जा के दूसरे विकल्पों पर तेजी से क्या काम कर रही सरकार?

प्रधानमंत्री ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में भारत सौर ऊर्जा के क्षेत्र में दुनिया के बड़े देशों में शामिल हो चुका है। उन्होंने बताया कि पेट्रोल में इथेनॉल मिश्रण का काम तेजी से बढ़ाया गया है। सरकार पहले देश के हर घर तक एलपीजी पहुंचाने पर काम कर रही थी और अब पाइप गैस को सस्ती दरों पर उपलब्ध कराने पर ध्यान दिया जा रहा है। इसके साथ ही सीएनजी आधारित व्यवस्था को भी बढ़ावा दिया जा रहा है। पीएम मोदी ने कहा कि इन सभी प्रयासों की वजह से भारत दुनिया के बड़े ऊर्जा संकट का मजबूती से सामना कर पा रहा है।

तेलंगाना के विकास को लेकर पीएम मोदी ने क्या कहा?

कार्यक्रम में प्रधानमंत्री मोदी ने तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी को केंद्र के साथ मिलकर काम करने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में अलग-अलग दलों की सरकार होना गलत नहीं है, लेकिन राज्य और देश के विकास के लिए साथ मिलकर काम करना जरूरी है। पीएम मोदी ने कहा कि अगर राज्य आगे बढ़ेगा तभी देश आगे बढ़ेगा। उन्होंने 'विकसित भारत 2047' का लक्ष्य हासिल करने के लिए सामूहिक प्रयासों पर जोर दिया। उन्होंने यह भी कहा कि केंद्र सरकार तेलंगाना के लोगों के सपनों को पूरा करने के लिए और तेज गति से काम करती रहेगी।

असम में दूसरी बार मुख्यमंत्री बनेंगे हिमंत

12 मई को लेंगे सीएम पद की शपथ,पीएम मोदी होंगे शामिल

नई दिल्ली/ एजेंसी

असम में नए मुख्यमंत्री का चेहरा साफहो गया है। विधायक दल की बैठक में हिमंत बिस्वा सरमा को एनडीए विधायक दल का नेता सर्वसम्मति से चुना गया है। वह लगातार दूसरी बार असम के मुख्यमंत्री के तौर पर शपथ लेंगे। 12 मई को हिमंत बिस्वा सरमा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मौजूदगी में मंत्री पद की शपथ लेंगे। गुवाहाटी में बीजेपी विधायक दल और एनडीए विधायक दल के नवनिर्वाचित नेता डॉ. हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा बताया कि 12 मई को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मौजूदगी में एनडीए मंत्रिपरिषद शपथ लेगी। मैं असम की जनता से अनुरोध करता हूं कि वे भविष्य में भी हमें अपना आशीर्वाद देते रहें। जेपी नड्डा ने बताया कि भाजपा के 8 विधायकों ने हिमंत बिस्वा सरमा के नाम का प्रस्ताव रखा था। इससे पहले सुबह असम भाजपा विधायक दल की बैठक हुई, जिसमें नये नेता का चुनाव किया गया। विधायक दल की बैठक में केंद्रीय पर्यवेक्षक के तौर पर जेपी नड्डा और सह-पर्यवेक्षक हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी मौजूद रहे। जेपी नड्डा ने बताया कि गठबंधन के सहयोगी दलों- असम गण परिषद (अगप) और बोडोलैंड पीपुल्स फ्रंट (बीपीएफ) ने भी सरमा का समर्थन किया। इस कारण वह सर्वसम्मति से राजग विधायक दल के नेता चुन लिये गए। हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा कि हमारा लक्ष्य असम को आगे ले जाना और इसे देश के सबसे विकसित राज्यों में से एक बनाना है। मैं असम बीजेपी के अध्यक्ष दिलीप सैकिया के प्रति आभार व्यक्त करता हूं। हम अगली सरकार बनाने का दावा पेश करने के लिए असम के राज्यपाल से मिलेंगे।

एल्विश यादव को लॉरेंस की धमकी

गैंग ने फोन कर मांगे 10 करोड़,दी दो दिन की मोहलत

गुरुग्राम/ एजेंसी

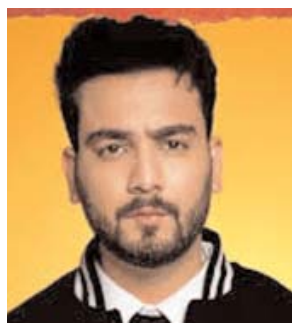

बिग बॉस ओटीटी 2 के विजेता एल्विश यादव को 10 करोड़ रुपये की फिरौती की धमकी मिली है। यह धमकी उन्हें एक विदेशी व्हाट्सएप नंबर से दी गई है। धमकी देने वाले ने खुद को रणदीप मलिक बताया और लॉरेंस बिश्नोई गिरोह से संबंध होने का दावा किया। पुलिस ने रविवार को इस घटना की जानकारी दी। यादव के परिवार ने आरोप लगाया कि पैसे न देने पर उन्हें दो दिन के भीतर गोली मारने की धमकी दी गई है। यादव की शिकायत पर सेक्टर 56 पुलिस स्टेशन में प्राथमिकी दर्ज की गई है। यादव ने बताया कि उन्हें 5 मई को विदेशी नंबर से व्हाट्सएप कॉल आया था, जिसका वह जवाब नहीं दे पाए। बाद में उन्हें उसी नंबर से धमकी भरा संदेश मिला। संदेश में रणदीप मलिक ने खुद को लॉरेंस बिश्नोई गिरोह का करीबी बताया। उसने दो दिन में 10 करोड़ रुपये की मांग की और भुगतान न करने पर गोली मारने की धमकी दी। यह धमकी भरा संदेश उनके पिता के मोबाइल नंबर पर भी भेजा गया था। मामला क्राइम ब्रांच को सौंप दिया गया है और कॉल के स्रोत का पता लगाने के प्रयास जारी हैं। यादव वर्तमान में 'लाफ्टर सेफ' नामक एक शो की शूटिंग के लिए गुरुग्राम से बाहर हैं। सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर यादव ने 2023 में बिग बॉस ओटीटी का दूसरा सीजन जीता था। वह हाल के वर्षों में कई कारणों से खबरों में रहे हैं। पिछले अगस्त में, उनके सेक्टर 56 स्थित आवास के बाहर अज्ञात बंदूकधारियों ने दो दर्जन से अधिक गोलियां चलाई थीं।

सांप के जहर मामले में गिरफ्तारी

इससे पहले, यादव को मार्च 2024 में रेव पार्टियों के लिए सांप का जहर उपलब्ध कराने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। उन पर सांप के जहर की आपूर्ति करने का आरोप था। हालांकि, इस साल मार्च में सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले से संबंधित प्राथमिकी को रद्द कर दिया था। न्यायालय ने सभी कानूनी कार्रवाई को भी समाप्त कर दिया था।

दिल्ली-फरीदाबाद के बीच एमईएमयू रेल सेवा को मिली मंजूरी

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता के अनुरोध पर केंद्रीय रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने दिल्ली और फरीदाबाद के बीच नई मेनलाइन इलेक्ट्रिक मल्टीपल यूनिट (एमईएमयू) रेल सेवा संचालित करने को स्वीकृति प्रदान कर दी है। मुख्यमंत्री ने इस निर्णय पर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय रेल मंत्री का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इससे दिल्ली और फरीदाबाद के बीच प्रतिदिन आवागमन करने वाले हजारों यात्रियों को बड़ी राहत मिलेगी।

75 साल का इंतजार खत्म

चिरमिरी के हर वार्ड में पहुंचेगी सरकारी बिजली

53 करोड़ रूपए की परियोजना को मिली मंजूरी

रायपुर। छत्तीसगढ़ के चिरमिरी शहर में दशकों पुरानी बिजली समस्या अब खत्म होने जा रही है। आजादी के बाद से एसईसीएल क्षेत्र के आसपास रहने वाले हजारों परिवार अब तक सरकारी बिजली सुविधा से वंचित थे, लेकिन अब मुख्यमंत्री शहरी विद्युतीकरण योजना के तहत शहर के सभी वार्डों तक सरकारी बिजली पहुंचाने की तैयारी शुरू हो गई है। राज्य शासन ने इस परियोजना के लिए 53.08 करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत की है। पुराने बजट की शेष राशि को जोड़कर कुल 53.57 करोड़ रुपये से वर्ष 2026-27 में विद्युत अधोसंरचना विकास कार्य शुरू किया जाएगा। इस योजना के तहत छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी का नेटवर्क चिरमिरी के सभी वार्डों तक विस्तार किया जाएगा। जानकारी के मुताबिक, लंबे समय से एसईसीएल क्षेत्र के निवासी खदानों की बिजली व्यवस्था पर निर्भर थे। बिजली कटौती और अस्थिर सप्लाई के कारण लोगों को लगातार परेशानी

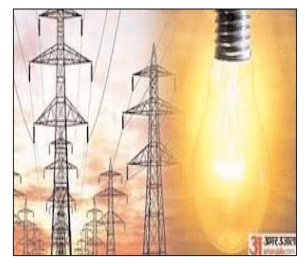

का सामना करना पड़ता था। अब सरकारी बिजली पहुंचने से हजारों परिवारों को स्थायी राहत मिलने की उम्मीद है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने दिसंबर 2024 में मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर दौरे के दौरान नगर निगम चिरमिरी में सरकारी बिजली आपूर्ति शुरू करने की घोषणा की थी। अब शासन द्वारा बजट मंजूर होने के बाद यह योजना जमीन पर उतरती दिखाई दे रही है। स्वास्थ्य मंत्री और क्षेत्रीय विधायक श्याम बिहारी जायसवाल ने इसे चिरमिरी के लोगों के लिए ऐतिहासिक कदम बताया है। उन्होंने कहा कि यह सिर्फ बिजली परियोजना नहीं बल्कि क्षेत्र के लोगों के वर्षों पुराने अधिकार और सपने को पूरा करने की दिशा में बड़ा फैसला है।

मत्स्य पालकों के लिए सुशासन शिविर बना वरदान।

मिडिल-ईस्ट में बहाल होगी शांति

ईरान ने सीजफायर पर अमेरिकी को दिया जवाब

दुबई। मिडिल-ईस्ट में बढ़ते तनाव के बीच ईरान ने सीजफायर को लेकर अमेरिका के प्रस्ताव पर अपना जवाब दे दिया है। यह जवाब पाकिस्तानी मध्यस्थों को भेजा गया है। ईरान की सरकारी मीडिया ने इसकी पुष्टि करते हुए कहा कि इस बातचीत का मुख्य फोकस स्थाई रूप से युद्ध को खत्म करने पर हो। ईरान की सरकारी टीवी ने बताया कि ईरान लेबनान समेत सभी मोर्चों पर युद्ध खत्म करना चाहता है और शिपिंग की सुरक्षा सुनिश्चित करना चाहता है। वॉशिंगटन

के ताज़ा प्रस्ताव में युद्ध खत्म करने, स्ट्रेट ऑफ होर्मुज़ को फिर से खोलने और ईरान के परमाणु कार्यक्रम को वापस लेने के एक समझौते की बात कही गई थी।

तमिलनाडु में टीवीके सरकार का हुआ आगाज

विजय थलापति समेत 9 विधायकों ने ली मंत्री पद की शपथ

नई दिल्ली/ एजेंसी

तमिलनाडु में आज टीवीके पार्टी के प्रमुख सी. जोसेफविजय राज्य के 9वें मुख्यमंत्री बने। उनके शपथ लेने के बाद अब तमिलनाडु में टीवीके सरकार की नई शुरुआत हो चुकी है। कांग्रेस प्रमुख नेता राहुल गांधी की मौजूदगी में शपथ ग्रहण के इस खास मौके पर विजय के साथ 9 और विधायकों ने भी मंत्री पद की शपथ ली है। 60 साल बाद गैर-द्रविड़ सरकार का आगाज हुआ है। इस नई कैबिनेट में 6 मंत्री थलपति की पार्टी टीवीके से हैं जबकि 3 चेहरे कांग्रेस कोटे से शामिल किए गए हैं। टीवीके की ओर से के.ए. सेंगोट्टैयान, आधार अर्जुन और बुस्सी आनंद जैसे भरोसेमंद नामों को जिम्मेदारी दी गई है। इन 9 विधायकों ने ली मंत्री पद की शपथ चेन्नई के नेहरू स्टेडियम में टीवीके के महासचिव और प्रवक्ता एन. आनंद ने मंत्री पद की शपथ ली। वे त्यागराज सीट से विधायक बनें। पुडुचेरी से एमएलए रह चुके है। टीवीके के प्रमुख रणनीतिकार आधव अर्जुन ने मंत्री पद की शपथ ली। वीकेसी के जनरल सेक्रेटरी रहे है। विल्लिवक्कम सीट से विधायक चुने गए है। पूर्व आईआरएस अधिकारी डॉ. के.जी. अरुणराज ने मंत्री पद की शपथ ली। तिरुचेंगोडे सीट से विधायक चुने गए है। एम.बी.बी.एस की पढ़ाई की है। के.ए. सेंगोट्टैयन ने मंत्री पद की शपथ ली। 5 दशक से अधिक का राजनीतिक अनुभव रहा

है। यह 9वीं बार विधायक बने है। गोबीचेट्टिपालयम सीट से विधायक चुने गए है। लंबे समय तक AIAMDK के साथ जुड़े रहे है। पी. वेंकटरमणन ने मंत्री पद की शपथ ली। वेंकटरमण साल 2000 से विजय थलापति के मैनेजर रहे है। मायलापुर सीट से विधायक चुने गए है। इन्होंने एम.कॉम., एम.बी..एल. की पढ़ाई की है। आर. निर्मलकुमार ने मंत्री पद की शपथ ली। थिरुपरंकुन्द्रम सीट से विधायक चुने गए है। यह इससे पहले AIADMK और बीजेपी में रहे है। तमिलनाडु में बीजेपी से सोशल मीडिया प्रमुख थे। तमिल एक्टर और डायरेक्टर राजमोहन ने मंत्री पद की शपथ ली। टीवीके के प्रचार सचिव रहे है। एग्मोर सीट से विधायक बने है। डॉ. टी.के. प्रभु, ने मंत्री पद की शपथ ली। यह पहली बार विधायक बने है। पेशे से डेंटिस्ट टी.के.प्रभु कराईकुडी सीट से विधायक चुने गए है। बीडीएस, एम.एससी.डी., एम.एससी., आईसीडीआई, एफआईसीओआई की पढ़ाई की है। एस. कीर्तना ने मंत्री पद की शपथ ली। शिवकाशी सीट से पहली महिला विधायक चुनी गई है।

सुदूर गांवों तक पहुंचे कलेक्टर विश्वदीप, राशन, सड़क, शिक्षा और स्वास्थ्य व्यवस्थाओं का लिया जायजा, ग्रामीणों से सीधे संवाद कर सुनी समस्याएं

बीजापुर/मूक पत्रिका

आशीष पदमवार। जिले के नवपदस्थ कलेक्टर विश्वदीप ने रविवार को बीजापुर और उसूर ब्लॉक के सुदूर ग्रामीण अंचलों का व्यापक दौरा कर विकास कार्यों और बुनियादी सुविधाओं की जमीनी स्थिति का निरीक्षण किया। उन्होंने सड़क, बिजली, पानी, राशन वितरण, स्वास्थ्य सेवाओं और निर्माणाधीन अधोसंरचना कार्यों का जायजा लेते हुए संबंधित अधिकारियों को त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए।कलेक्टर गंगालूर मार्ग से होते हुए पीड़िया, हिरोली, कावंडगांव, मुतवेंडी, तर्रेम, बासागुड़ा और आवापल्ली पहुंचे। इस दौरान उन्होंने ग्रामीणों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं और कई मामलों में मौके पर ही समाधान के निर्देश दिए।

पामलवाया नर्सरी को विकसित करने बनेगी कार्ययोजना –दौरे के दौरान कलेक्टर ने पामलवाया नर्सरी का निरीक्षण किया। यहां उपलब्ध फलदार पौधों की जानकारी लेते हुए उन्होंने नर्सरी के विस्तार और विकास के लिए विस्तृत कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए। साथ ही अधिक संख्या में पौध तैयार कर बाउंड्री वॉल युक्त शासकीय संस्थानों में पौधारोपण हेतु उपलब्ध कराने को कहा।

गंगालूर में स्वास्थ्य सेवाओं की समीक्षा –गंगालूर पहुंचकर कलेक्टर ने स्वास्थ्य सेवाओं सहित अन्य नागरिक सुविधाओं की समीक्षा की। उन्होंने निर्माणाधीन कार्यों में तेजी लाने और गुणवत्ता बनाए रखने के निर्देश अधिकारियों को दिए। साथ ही 12 मई को आयोजित होने वाले सुशासन तिहार के जनसमस्या निवारण शिविर के व्यापक प्रचार-प्रसार पर जोर देते हुए अधिक से अधिक हितग्राहियों को लाभ दिलाने के निर्देश दिए।

एड़समेटा गांव तक पहुंचेगा राशन – ग्राम पंचायत बुरजी में राशन वितरण व्यवस्था का निरीक्षण करते समय ग्रामीणों ने बताया कि एड़समेटा गांव के लोगों को राशन लेने के लिए 12 से 13 किलोमीटर दूर आना पड़ता है। इस पर कलेक्टर ने तत्काल संज्ञान लेते हुए एसडीएम को ट्रैक्टर के माध्यम से एड़समेटा गांव में ही राशन पहुंचाने की व्यवस्था करने के निर्देश दिए।

राशन दुकान तक बनेगी सीसी सड़क –कलेक्टर ने बुरजी स्थित राशन दुकान और आसपास निर्माणाधीन कार्यालय भवनों का निरीक्षण करते हुए कार्यों में तेजी लाने को कहा। उन्होंने मुख्य सड़क से राशन दुकान तक सीसी सड़क निर्माण के लिए प्रस्ताव तैयार कर प्रस्तुत करने के निर्देश भी अधिकारियों को दिए।

युवती को आगे पढ़ाई जारी रखने किया प्रेरित –दौरे के दौरान राशन लेने पहुंची नैनपाल निवासी युवती गुंजन हेमला से चर्चा में पता चला कि 12वीं उत्तीर्ण करने के बाद उन्होंने आगे की पढ़ाई छोड़ दी है। इस पर कलेक्टर ने उन्हें उच्च शिक्षा जारी रखने के लिए प्रेरित किया और आवश्यक सहयोग उपलब्ध कराने हेतु अधिकारियों को निर्देश दिए।

निर्माणाधीन सड़कों का भी किया निरीक्षण –कलेक्टर ने पीएमजीएसवाई सहित अन्य निर्माणाधीन सड़कों का निरीक्षण कर कार्यों की गुणवत्ता और गति बनाए रखने के निर्देश दिए।

इस दौरान एसडीएम बीजापुर जागेश्वर कौशल, जनपद पंचायत सीईओ हिमांशु साहू, कार्यपालन अभियंता नवीन टोंडे सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

करही गोलीकांड-हत्या मामला: 15 दिन बाद भी आरोपी पुलिस पकड़ से बाहर

जिला कांग्रेस करेगी एसपी कार्यालय का घेराव

जांजगीर-चांपा/मूक पत्रिका

जिले के बिर्रा थाना क्षेत्र अंतर्गत करही गांव में हुए सनसनीखेज गोलीकांड और हत्या के मामले में घटना के 15 दिन बीत जाने के बाद भी पुलिस के हाथ खाली हैं। आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं होने से न सिर्फ पीड़ित परिवार में आक्रोश है, बल्कि आमजन में भी नाराजगी बढ़ती जा रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार 23-24 अप्रैल की दरम्यानी रात करही गांव में घर में घुसकर गोलीबारी की गई थी। इस वारदात में 19 वर्षीय युवक आयुष कश्यप की मौत हो गई थी, जबकि उसका छोटा भाई आशीष कश्यप गंभीर रूप से घायल हो गया था। घटना के बाद पुलिस ने जांच तेज करते हुए करीब 35 पुलिसकर्मियों की टीम गठित की। हजारों सीसीटीवी फुटेज खंगाले गए, हजारों कॉल डिटेल्स की जांच की गई और 100 से अधिक लोगों से पूछताछ भी की गई, लेकिन अब तक कोई ठोस सुराग हाथ नहीं लग पाया है। पीड़ित परिवार न्याय की गुहार लगाते हुए लगातार प्रशासन के चक्कर काट रहा है। परिजनों का आरोप है कि आरोपियों की गिरफ्तारी में हो रही देरी से समाज में गलत संदेश जा रहा है और अपराधियों के हौसले बुलंद हो रहे हैं। वहीं, शासन-प्रशासन पर भी अपराधियों को संरक्षण देने के आरोप लग रहे हैं।

मामले को लेकर कांग्रेस ने भी मोर्चा खोल दिया है। कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया है कि इतने गंभीर मामले में पुलिस की कार्रवाई संतोषजनक नहीं है। पीड़ित परिवार ने पहले जांजगीर में वित्त मंत्री से मुलाकात की, फिर बिलासपुर में आईजी से मिलकर गिरफ्तारी की मांग रखी। इसके बाद जांजगीर विधायक व्यास कश्यप से भी परिजन मिले और अपनी नाराजगी जाहिर की।

कांग्रेस ने चेतावनी दी है कि यदि एक सप्ताह के भीतर आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं होती है, तो 18 मई को जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा पुलिस अधीक्षक कार्यालय का घेराव किया जाएगा। पार्टी का कहना है कि यह आंदोलन तब तक जारी रहेगा, जब तक पीड़ित परिवार को न्याय नहीं मिल जाता।

फिलहाल, पूरे मामले पर जिले की कानून-व्यवस्था और पुलिस की कार्यशैली को लेकर सवाल खड़े हो गए हैं। अब देखना होगा कि तय समयसीमा में पुलिस आरोपियों तक पहुंच पाती है या आंदोलन की राह और तेज होती है।

29 संदिग्ध कबाड़ी और फेरीवालों को थाने लाकर की गई तस्दीकसभी संदिग्धों के फिंगरप्रिंट लेकर सत्यापन, प्रतिबंधात्मक कार्रवाई कर दी गई कड़ी चेतावनी

चक्रधर नगर पुलिस की कार्रवाई

रायगढ/मूक पत्रिका

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री शशि मोहन सिंह के दिशा निर्देशन में जिले में संपत्ति संबंधी अपराधों, चोरी और अवैध कबाड़ के स्त्रोतों पर प्रभावी नियंत्रण के लिए चलाए जा रहे ÷ऑपरेशनद्धप्रहार÷ के तहत आज चक्रधरनगर पुलिस द्वारा विशेष सत्यापन अभियान चलाया गया। नगर पुलिस अधीक्षक श्री मयंक मिश्रा के मार्गदर्शन एवं थाना प्रभारी चक्रधरनगर निरीक्षक राकेश मिश्रा के नेतृत्व में पुलिस टीम ने क्षेत्र में सक्रिय संदिग्ध कबाड़ बीनने वालों एवं फेरीवालों की तस्दीक करते हुए कुल 29 संदिग्ध व्यक्तियों को थाना चक्रधरनगर लाकर पूछताछ और सत्यापन की कार्रवाई की।पुलिस को लगातार सूचना प्राप्त हो रही थी कि क्षेत्र में संदिग्ध घूमने वाले कुछ संदिग्ध कबाड़ बीनने वाले एवं फेरीवाले चोरी और अवैध कबाड़ गतिविधियों से जुड़े हैं तथा कहीं न कहीं संपत्ति संबंधी अपराधों के स्त्रोत के रूप में सक्रिय हैं। सूचना को गंभीरता से लेते हुए वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर चक्रधरनगर क्षेत्र में विशेष अभियान चलाया गया और चिन्हित संदिग्ध व्यक्तियों को थाने लाकर उनकी विस्तृत तस्दीक की गई। कार्रवाई के दौरान सभी 29 संदिग्ध व्यक्तियों के फिंगरप्रिंट लेकर उनका आपराधिक रिकॉर्ड और गतिविधियों का सत्यापन किया जा रहा है। थाना प्रभारी राकेश मिश्रा द्वारा सभी को स्पष्ट रूप से चेतावनी दी गई कि यदि भविष्य में किसी भी प्रकार की चोरी, अवैध कबाड़ खरीद-बिक्री अथवा संदिग्ध गतिविधियों में संलिप्तता पाई जाती है तो उनके विरुद्ध कड़ी वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। सभी व्यक्तियों के विरुद्ध थाना चक्रधरनगर में प्रतिबंधात्मक वैधानिक कार्रवाई की गई है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री शशि मोहन सिंह के दिशा निर्देशन, नगर पुलिस अधीक्षक श्री मयंक मिश्रा के मार्गदर्शन एवं थाना प्रभारी निरीक्षक राकेश मिश्रा के नेतृत्व में चक्रधरनगर थाना स्टाफ द्वारा की गई।

कटंगपाली क्षेत्र में हर रोज अवैध खदान से शासन को लाखों रुपए की पहुंच रही क्षति

रायगढ/मूक पत्रिका

बरमकेला के कटंगपाली क्षेत्र में संचालित हो रही करीब दर्जन भर अवैध खदान से शासन को हर रोज लाखो रुपए के राजस्व की हानि हो रही है, लेकिन खनिज विभाग के अधिकारियों को इसकी परवाह नही है। यही कारण है कि अवैध खदान दिनदहाड़े संचालित हो रहा है और विभाग के अधिकारियों को झांकने तक कि फुर्सत नही है।

कटंगपाली अ में जहां बीच बस्ती में राजनीतिक और प्रशासनिक संरक्षण में अवैध डोलोमाईट खदान संचालित हो रहा है, वहीं इस खदान के संचालक के संरक्षण में उक्त क्षेत्र में करीब दर्जन भर अवैध खदान संचालित हो रहा है। बताया जाता है कि प्रत्येक अवैध खदान से हर रोज कम से कम 50-60 गाडियां अवैध डोलोमाईट का उत्खनन कर परिवहन किया जाता है, जिसमे एक रुपए की भी राशि रॉयल्टी के रूप में शासन को नही मिलती है। क्षेत्र के दर्जन भर अवैध खदानों से निकलने वाले खनिज से हर रोज शासन को लाखों रुपए का चपत राजस्व के रूप में लगा रहा हैडोलोमाइट में खनिज विभाग प्रति टन 90 रुपए की रॉयल्टी लेती है, इस हिसाब से देखा जाए तो प्रतिदिन एवरेज प्रति अवैध खदन 50 गाड़ी भी लिया जाए तो हर रोज करीब 3 लाख रुपए के रॉयल्टी का नुकसान हो रहा है। आश्चर्य की बात तो यह है कि अवैध खदान से दिनदहाड़े उत्खनन और परिवहन की बातें लगातार सामने आ रही है, लेकिन खनिज विभाग के अधिकारियों की कार्यप्रणाली देखकर ऐसा प्रतीत होता है कि रॉयल्टी के रूप में शासन को लग रहे चपत और अवैध रूप से खनिज के दोहन के मामले में राजनीतिक और प्रशासनिक रूप से संरक्षण मिल रहा है। यही कारण है कि खनिज के तस्कर खुले रूप से दोहन करने में लगे हुए है।अवैध खदान से संचालन को लेकर विभाग का कार्यप्रणाली चर्चा का विषय बना हुआ है।

सालों से चल रहा अवैध खदान– अवैध खदानों की स्थिति देखकर समझ आता है कि कितने सालों से ये अवैध खदान चल रहे है। जिन वैध खदानों को 10 साल हो गया है वहां के खदानों में जितनी गहराई नही है उससे कहीं अधिक गहराई अवैध खदानों में है। जिसे देख अंदाजा लगाया जा सकता है कि यह अवैध उत्खनन कितने सालों से चल रहा है।बेरियर सिर्फ दिखवा के लिए क्षेत्र में अवैध खनिज के परिवहन को रोकने के लिए टिमरलगा में खनिज जांच बेरियर है, लेकिन आश्चर्य की बात तो यह है कि अवैध खदानों की गहराई बढ़ती जा रही है और बेरियर में महीने में दो चार अवैध खनिज से लोड गाड़ी पकड़कर खानापूर्ति कर दी जा रही है।

क्या है कार्रवाई का प्रावधान– अवैध खदान की शिकायत मिलने पर जांच के दौरान उपलब्ध मशीनरी व अन्य सामग्री तो जब्त किया जाएगा। साथ ही मौके पर उत्खनन कर रखे गए खनिज की मात्रा व खदान के गहराई के हिसाब से खोदे गए खनिज की मात्रा में रॉयल्टी राशि व बाजार मूल्य की राशि जुर्माना के तौर पर वसूली करने का प्रावधान है।

बरमकेला बस स्टैंड शौचालय मामले पर नगर पंचायत का स्पष्टीकरण, जर्जर भवन के चलते किया गया था बंद, अब लगाया गया नोटिस..

सारंगढ़-बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

बरमकेला बस स्टैंड स्थित सामुदायिक शौचालय की बदहाल स्थिति को लेकर स्थानीय लोगों और यात्रियों में नाराजगी बढ़ने के बाद अब नगर पंचायत प्रशासन की ओर से स्पष्टीकरण जारी किया गया है। गंदगी, बदबू और जर्जर हालत को लेकर खबर सामने आने के बाद सीएमओ दीपक विश्वकर्मा ने कहा है कि संबंधित शौचालय काफी पुराना और खतरनाक स्थिति में पहुंच चुका है, जिसे पहले ही बंद कर दिया गया था।दरअसल, बस स्टैंड का यह सार्वजनिक शौचालय लंबे समय से बदहाल स्थिति में है। अंदर गंदगी, टूटी सीटें, पानी की कमी और फैली बदबू से यात्री परेशान थे। खासकर महिलाओं, बुजुर्गों और बाहर से आने वाले लोगों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा था। लोगों का कहना था कि नगर पंचायत की लापरवाही के कारण बस स्टैंड जैसी प्रमुख जगह की छवि खराब हो रही है।

सीएमओ बोले – सुरक्षा कारणों से बंद किया गया था शौचालय

नगर पंचायत सीएमओ दीपक विश्वकर्मा ने जारी स्पष्टीकरण में बताया कि बस स्टैंड स्थित सार्वजनिक शौचालय वर्षों पुराना होने के कारण पूरी तरह जर्जर और क्षतिग्रस्त हो चुका है। आम लोगों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए नगर पंचायत ने उसे तोड़कर नया सर्वसुविधायुक्त शौचालय बनाने का निर्णय लिया है और इसके लिए शासन को प्रस्ताव भी भेजा जा चुका है।सीएमओ के मुताबिक शासन से स्वीकृति मिलने तक पुराने शौचालय को बंद कर दिया गया था, लेकिन अज्ञात व्यक्तियों द्वारा उसे दोबारा खोल दिया गया। इसी वजह से लोग उसका उपयोग करने लगे और वहां गंदगी व अव्यवस्था की स्थिति बन गई। उन्होंने बताया कि अब वहां नोटिस बोर्ड भी लगा दिया गया है ताकि लोग जर्जर भवन का उपयोग न करें।

वैकल्पिक व्यवस्था, लोगों को नए निर्माण का इंतजार

नगर पंचायत प्रशासन का कहना है कि पानी टंकी के पास वैकल्पिक सार्वजनिक शौचालय की व्यवस्था उपलब्ध कराई गई है, जहां आम नागरिक सुविधाओं का उपयोग कर सकते हैं। वहीं स्थानीय लोगों का कहना है कि बस स्टैंड जैसे व्यस्त इलाके में जल्द नया शौचालय निर्माण जरूरी है, ताकि यात्रियों को राहत मिल सके। फिलहाल लोगों की नजर इस बात पर टिकी है कि नगर पंचायत का नया शौचालय निर्माण का दावा जमीन पर कब उतरता है।

रायमेर में फिर भड़का ज़मीन विवाद, निजी भूमि पर कब्जे के आरोप, थाने पहुंचा मामला!

धरमजयगढ़/मूक पत्रिका

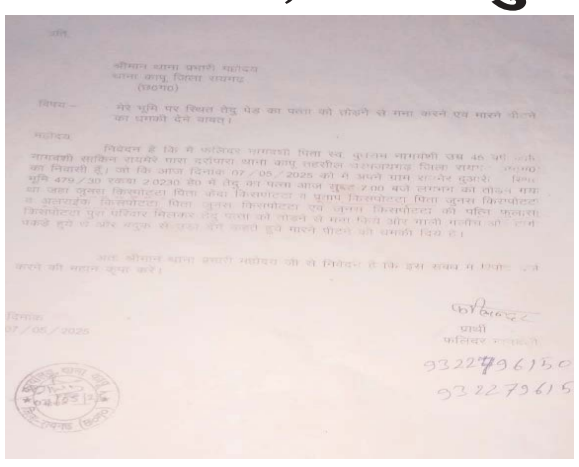

कापू तहसील क्षेत्र का रायमेर गांव एक बार फिर जमीन विवाद को लेकर चर्चा में है। वर्षों से यह क्षेत्र भूमि संबंधी विवादों, कथित फर्जी रजिस्ट्री, फर्जी बिक्री, फर्जी किसान एवं वनाधिकार पट्टों जैसे मामलों को लेकर सुर्खियों में रहा है। अब एक नया मामला सामने आने के बाद गांव में तनाव का माहौल निर्मित हो गया है।जानकारी के अनुसार रायमेर निवासी फलिंदर नागवंशी पिता बुधराम नागवंशी ने कापू थाना में लिखित शिकायत दर्ज कराते हुए आरोप लगाया है कि उनकी निजी भूमि, खसरा नंबर 479/30, रकबा 2.0230 हेक्टेयर पर गांव के ही जुनस किस्पोट्टा पिता केदा किस्पोट्टा द्वारा जबरन कब्जा करने का प्रयास किया जा रहा है।बता दें,शिकायतकर्ता के मुताबिक बीते 7 मई को जुनस किस्पोट्टा अपने परिवार के सदस्यों के साथ उक्त भूमि पर पहुंचा और तेंदूपत्ता तोड़ने लगा। जब फलिंदर नागवंशी ने इसका विरोध करते हुए उन्हें जमीन से हटने के लिए कहा, तब आरोप है कि जुनस किस्पोट्टा ने दबंगई दिखाते हुए गाली-गलौज की तथा जान से मारने की धमकी दी। वहीं घटना के बाद फलिंदर नागवंशी ने कापू थाना पहुंचकर पूरे मामले की शिकायत दर्ज कराई और संबंधित व्यक्तियों के खिलाफ निष्पक्ष जांच कर त्वरित कार्रवाई की मांग की है।गौरतलब है कि रायमेर गांव में भूमि विवाद के मामले लगातार बढ़ते जा रहे हैं। कभी सीमांकन को लेकर विवाद, तो कभी कब्जे और स्वामित्व को लेकर गांव के लोग थाना, तहसील और न्यायालय के चक्कर काटते नजर आते हैं। लगातार बढ़ते ऐसे विवाद भविष्य में किसी बड़ी अप्रिय घटना को जन्म दे सकते हैं। और वहीं स्थानीय लोगों का मानना है कि प्रशासन और पुलिस को इस मामले में गंभीरता दिखाते हुए निष्पक्ष जांच करनी चाहिए, ताकि समय रहते विवादों पर अंकुश लगाया जा सके और क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनी रहे।

अफवाहों और वास्तविकता के बीच क्या हैं सच्चाई जांच में आएगा सामने

धरमजयगढ़ में भारतमाला सड़क निर्माण खूब चर्चा में

धरमजयगढ़/मूक पत्रिका

धरमजयगढ़ क्षेत्र में भारतमाला सड़क निर्माण कार्य तेजी से जारी है। क्षेत्र में बड़े स्तर पर पहाड़ कटिंग, खुदाई और सड़क निर्माण का कार्य चल रहा है। जिसमें कंपनी के लिए सिसरिंगा में कार्य करना चुनौती पूर्ण होते जा रहा क्युकी यहां पहाड़ को काटकर सडक बनाया जा रहा जो अपने आप में बहुत मुश्किल कार्य हैं। यहां जंगल का कुछ हिस्सा सड़क निर्माण में प्रभावित हुआ। इसी को लेकर तरह तरह के चुनौती सामने आ रहें हैं। अगर सडक निर्माण पूरा होता है तों जो घंटों का समय व्यतीत करके लोंग पत्थलगांव और दूसरे जगह जाते थे वो चंद मिनटों का खेल रह जाएगा।

पेड़ कटाई और मुआवजे को लेकर सामने आ रही जानकारी–क्षेत्र में पेड़ों की कटाई को लेकर भी कई प्रकार की चर्चाएं चल रही हैं। लेकिन स्थानीय स्तर पर देखने वालों का कहना है कि जहां पहले ही खुदाई और सड़क निर्माण का कार्य हो चुका है वहां अब नए पेड़ों की कटाई का सवाल कम दिखाई देता है, क्योंकि पेड़ों की कटाई साल भर पहले ही शासन द्वारा करवाया जा चुका है अब दोबारा पेड़ों क़ी कटाई करके डीबीएल कंपनी क्या कार्य करेगी। वहीं जानकारी यह भी सामने आई है कि शौचालय के पास स्थित एक मकान निर्माण क्षेत्र से प्रभावित हो रहा था जिसके लिए कंपनी द्वारा संबंधित व्यक्ति को लगभग 5 लाख रुपये की राशि दी जा चुकी है। बताया जा रहा है कि मकान को लेकर एग्रीमेंट प्रक्रिया भी पूरी हो चुकी है। फिलहाल निर्माण कार्य लगातार जारी है, लेकिन क्षेत्र में फैल रही चर्चाओं के बीच लोग आधिकारिक जानकारी सामने आने का इंतजार कर रहे हैं। और जांच में ही सभी चीजों की पुष्टि होंगी की वास्तविक घटना क्या है।

20-30 मीटर की पहाड़ियों की गहरी कटिंग तों स्खलन स्वभाविक-निर्माण कार्य के दौरान सिसरिंगा के पास पहाड़ियों को काटकर लगभग 20 से 30 मीटर तक गहरी खुदाई की गई है। वही अगर कापू सड़क को देखा जाए तों वहा कुछ फ़ीट पर खुदाई हुई थी जिसके बाद वहा पेड़ों का जड़ समेत गिरना और मिट्टी का स्खलन अभी भी देखने को मिलता है। वही यहां तों बड़े पैमाने पर हुई इस खुदाई को देखकर साफ नजर आ रहा की बरसात तों दूर छोटे बड़े पेड़ जड़ से कभी भी गिर सकते हैं जो वर्तमान में कई जगहों पर दिखाई पड़ रहें। लोगों का कहना है कि आने वाले समय में सुरक्षा व्यवस्था और पहाड़ी हिस्सों की मजबूती को लेकर कंपनी को विशेष ध्यान देना जरूरी होगा।

अलाइनमेंट क्षेत्र में कुआं और शौचालय प्रभावित होने की चर्चा-स्थानीय स्तर पर यह जानकारी सामने आ रही है कि सड़क निर्माण के अलाइनमेंट क्षेत्र में कुछ निजी निर्माण प्रभावित हैं। इनमें मंदिर के सामने के कुआं, शौचालय और अन्य छोटे निर्माण शामिल बताए जा रहे हैं।

बताया जा रहा है कि कंपनी द्वारा पहले ही पत्र जारी कर यह स्पष्ट किया गया है कि शासकीय शौचालय किसी प्रकार से प्रभावित होता है तो उसके नए निर्माण की जिम्मेदारी कंपनी की होगी। मौके पर निर्माण क्षेत्र देखने पर कुछ संरचनाएं सड़क अलाइनमेंट के भीतर आती हुई प्रतीत हो रही हैं, हालांकि आधिकारिक रूप से कितने निर्माण प्रभावित होंगे इसकी स्पष्ट जानकारी अब तक सामने नहीं आई है।

Ro2 पिलर के भीतर अलाइनमेंट में हो रहा कार्य-सडक निर्माण का कार्य हर जगह पर निर्माण कार्य निर्धारित अलाइनमेंट और सीमांकन क्षेत्र के भीतर किया जा रहा है। जहां-जहां खुदाई की गई है वहां उसके बाहरी हिस्सों में आरओडब्ल्यू (ऋह्व्ध) के पिलर लगे हुए दिखाई दे रहे हैं। सड़क निर्माण वाले हिस्से पर खड़े होकर देखने पर यह अनुमान लगाया जा सकता है कि सिसरिंगा में कुएं और आसपास की संरचनाएं अलाइनमेंट क्षेत्र में आ सकती हैं। हालांकि निर्माण को लेकर फैल रही चर्चाओं और वास्तविक स्थिति के बीच अंतर को लेकर लोग प्रशासन और कंपनी से स्पष्ट जानकारी की मांग कर रहे हैं।

सारंगढ़-बिलाईगढ़ एवं सक्ती जिले के रामनामी समाज ने किया रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर का भव्य स्वागत, छत्तीसगढ़ की संस्कृति का दिखा अद्भुत वैभव

सारंगढ़-बिलाईगढ़ /मूक पत्रिका

छत्तीसगढ़ में सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले एवं सक्ती जिले में निवासरत रामनामी समाज, जो अपनी अद्भुत रामभक्ति, आध्यात्मिक परंपरा और सादगीपूर्ण जीवनशैली के लिए देशभर में विशेष पहचान रखता है, ने एक बार फिर प्रदेश की समृद्ध संस्कृति और परंपरा को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित करने का कार्य किया है। रामनाम को जीवन का आधार मानने वाला यह समाज वर्षों से छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक पहचान को जीवित रखते हुए अपनी विशिष्ट परंपराओं के माध्यम से देश-दुनिया का ध्यान आकर्षित करता रहा है।छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में इन दिनों इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मुकाबलों का आयोजन किया जा रहा है। प्रदेश में पहली बार इतने बड़े स्तर पर क्रिकेट और संस्कृति का ऐसा संगम देखने को मिला, जहां खेल के साथ-साथ छत्तीसगढ़ की पारंपरिक पहचान को भी प्रमुखता से प्रस्तुत किया गया। इस बार रायपुर को आईपीएल की प्रसिद्ध फ्रेंचाइजी Royal Challengers Bengaluru का होम ग्राउंड बनाया गया है। ऐसे में खिलाड़ियों के स्वागत, छत्तीसगढ़ की लोकसंस्कृति के प्रदर्शन और प्रदेश की सांस्कृतिक धरोहर को देश-दुनिया तक पहुंचाने के उद्देश्य से विशेष सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया।इस कार्यक्रम का आयोजन छत्तीसगढ़ संस्कृति विभाग द्वारा किया गया, जिसमें सारंगढ़-बिलाईगढ़, सक्ती सहित प्रदेश के विभिन्न जिलों से पहुंचे रामनामी समाज के लोगों ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति दर्ज कराई। कार्यक्रम स्थल पर पहुंचते ही रामनामी समाज के लोगों की पारंपरिक वेशभूषा ने सभी का ध्यान आकर्षित किया। सफेद वस्त्रों पर अंकित राम-नाम, सिर पर मोरपंखों से सजा मुकुट, शांत और आध्यात्मिक व्यक्तित्व तथा ÷राम-राम÷ के अभिवादन ने आयोजन में एक अलग ही आध्यात्मिक वातावरण निर्मित कर दिया।कार्यक्रम के दौरान खिलाड़ियों का पारंपरिक तरीके से स्वागत किया गया। समाज के लोगों ने रामधुन, भजन और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से खिलाड़ियों का अभिनंदन किया। आयोजन स्थल पर छत्तीसगढ़ की संस्कृति, लोककला, हस्तशिल्प और पारंपरिक व्यंजनों के विशेष स्टॉल लगाए गए थे। इन स्टॉलों में प्रदेश की विविध सांस्कृतिक विरासत को प्रदर्शित किया गया, जिसे देखने के लिए खिलाड़ी और अन्य अतिथि विशेष रूप से उत्सुक नजर आए।Royal Challengers Bengaluru के खिलाड़ी रामनामी समाज की परंपरा और उनकी जीवनशैली को देखकर काफी प्रभावित दिखाई दिए।

खिलाड़ियों ने समाज के लोगों से उनके इतिहास, परंपराओं और आध्यात्मिक जीवन के बारे में जानकारी प्राप्त की। कई खिलाड़ियों ने रामनाम अंकित वस्त्रों और मोर मुकुट के बारे में भी जिज्ञासा व्यक्त की। खिलाड़ियों ने समाज की परंपराओं की सराहना करते हुए कहा कि आधुनिक समय में भी अपनी संस्कृति और मूल्यों को इस तरह जीवित रखना वास्तव में प्रेरणादायक है।कार्यक्रम में मौजूद लोगों के अनुसार यह आयोजन केवल एक औपचारिक स्वागत कार्यक्रम नहीं था, बल्कि छत्तीसगढ़ की आत्मा, लोकसंस्कृति और सामाजिक समरसता को देश-दुनिया के सामने प्रस्तुत करने का माध्यम बन गया। खेल के मंच पर प्रदेश की संस्कृति को इस प्रकार स्थान मिलना छत्तीसगढ़ के लिए गौरव की बात मानी जा रही है।

कौन है रामनामी समाज-रामनामी समाज छत्तीसगढ़ की सबसे अनूठी आध्यात्मिक और सांस्कृतिक परंपराओं में से एक माना जाता है। इस समाज का उद्भव 19वीं सदी के अंतिम दौर में हुआ था। उस समय समाज के एक वर्ग को मंदिरों में प्रवेश से वंचित किया जाता था और सामाजिक भेदभाव का सामना करना पड़ता था। तब इस समुदाय ने विरोध स्वरूप स्वयं को ही ÷जीवित मंदिर÷ घोषित कर दिया और शरीर पर ÷राम÷ नाम अंकित करवाना शुरू किया।समाज का मानना है कि ईश्वर किसी मंदिर, मूर्ति या स्थान विशेष तक सीमित नहीं है, बल्कि प्रत्येक व्यक्ति के भीतर निवास करता है। इसी विचारधारा को अपनाते हुए समाज के लोग अपने शरीर पर रामनाम लिखवाते हैं और पूरी श्रद्धा के साथ रामभक्ति में जीवन व्यतीत करते हैं।रामनामी समाज के लोग रामचरितमानस का नियमित पाठ करते हैं, मांसाहार, शराब एवं अन्य नशे से दूर रहते हैं तथा अत्यंत सादगीपूर्ण जीवन जीते हैं। समाज के पुरुष और महिलाएं सफेद वस्त्र धारण करते हैं जिन पर राम-नाम अंकित रहता है। समाज में एक-दूसरे का अभिवादन ÷राम-राम÷ कहकर किया जाता है। रामनामी समाज का मुख्य निवास क्षेत्र छत्तीसगढ़ के जांजगीर-चांपा, बलौदा, सारंगढ़-बिलाईगढ़, सक्ती और आसपास के क्षेत्र माने जाते हैं। अपनी विशिष्ट धार्मिक परंपरा और सामाजिक संदेश के कारण यह समाज न केवल भारत बल्कि विदेशों तक में पहचान बना चुका है। कई शोधकर्ता और विदेशी पर्यटक भी इस समुदाय की जीवनशैली और आध्यात्मिक परंपराओं का अध्ययन करने के लिए छत्तीसगढ़ पहुंचते हैं।

खिलाड़ियों ने जाना समाज का इतिहास-कार्यक्रम के दौरान खिलाड़ियों ने रामनामी समाज के लोगों के साथ संवाद भी किया। खिलाड़ियों ने पूछा कि शरीर पर रामनाम लिखवाने की परंपरा कैसे शुरू हुई और इसका क्या महत्व है। समाज के लोगों ने उन्हें बताया कि यह केवल धार्मिक प्रतीक नहीं बल्कि समानता, आस्था और सामाजिक सम्मान का संदेश है। खिलाड़ियों ने समाज के सदस्यों के साथ तस्वीरें खिंचवाई और उनकी संस्कृति को करीब से समझने का प्रयास किया। कई खिलाड़ी पारंपरिक छत्तीसगढ़ी व्यंजनों का स्वाद लेते भी नजर आए। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने बताया कि खिलाड़ियों ने छत्तीसगढ़ की मेहमाननवाजी और संस्कृति की खुलकर सराहना की।

छत्तीसगढ़ी संस्कृति का दिखा विविध स्वरूप-कार्यक्रम में केवल रामनामी समाज ही नहीं बल्कि छत्तीसगढ़ की विभिन्न लोककलाओं और सांस्कृतिक परंपराओं की भी प्रस्तुति दी गई। पारंपरिक लोकनृत्य, लोकगीत, वाद्ययंत्रों की धुन और छत्तीसगढ़ी पहनावे ने आयोजन को

जीएलडी पब्लिक स्कूल खैरताल के प्रबंधन पर गंभीर आरोप, शिक्षिका ने लगाया मानसिक प्रताड़ना और वेतन कटौती का दावा

जांजगीर-चांपा/मूक पत्रिका

जिले के नवागढ़ विकासखंड स्थित जी.एल.डी. पब्लिक स्कूल एक बार फिर विवादों के घेरे में आ गया है। विद्यालय की शिक्षिका गीता महंत ने स्कूल प्रबंधन एवं प्राचार्य पर गंभीर आरोप लगाते हुए शिक्षा विभाग और प्रशासन से न्याय की गुहार लगाई है।पीड़िता ने अपनी शिकायत में बताया कि वह वर्ष 2021 से विद्यालय में शिक्षिका के पद पर कार्यरत थीं। आरोप है कि विद्यालय द्वारा उनका वेतन 13,336 रुपये प्रतिमाह दर्शाया जाता था, लेकिन वास्तविक रूप से केवल 5,000 रुपये ही दिए जाते थे। शेष राशि को अलग-अलग खातों में ऑनलाइन ट्रांसफर करवाया जाता था, जो नियमों का खुला उल्लंघन है। साथ ही पीएफ राशि जमा नहीं करने का भी आरोप लगाया गया है।शिक्षिका ने यह भी कहा कि शासकीय अवकाशों के दिनों में भी उन्हें विद्यालय बुलाया जाता था और विरोध करने पर मानसिक रूप से प्रताड़ित किया जाता था। अप्रैल 2026 में पारिवारिक कार्यक्रम के लिए अवकाश मांगने पर विद्यालय प्रबंधन द्वारा कथित रूप से अभद्र व्यवहार किया गया और बिना किसी पूर्व सूचना अथवा नोटिस के नौकरी से हटा दिया गया।मामले को गंभीर बताते हुए गीता महंत ने जिला कलेक्टर, जिला शिक्षा अधिकारी, महिला थाना एवं नवागढ़ थाना में भी शिकायत की प्रतिलिपि भेजी है। शिकायत के साथ उन्होंने नियुक्ति पत्र, पहचान पत्र, अनुभव प्रमाण पत्र एवं व्हाट्सएप चैट जैसे दस्तावेज भी संलग्न किए हैं। फिलहाल यह मामला शिक्षा विभाग और प्रशासन के संज्ञान में है। अब देखना होगा कि जांच के बाद स्कूल प्रबंधन पर क्या कार्रवाई होती है और पीड़ित शिक्षिका को न्याय मिल पाता है या नहीं। इधर, विकासखंड शिक्षा अधिकारी ए.के. पाटले ने बताया कि शिक्षिका की शिकायत पर जांच टीम गठित कर दी गई है और मामले की जांच की जा रही है। जांच में आरोप सही पाए जाने पर विद्यालय प्रबंधन के खिलाफ उचित एवं वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

अलबेला पारा चिल्ड्रन्स पार्क के उद्धार हेतु 'जन सहयोग' संस्था सामने आई

कांकेर/मूक पत्रिका

विक्रम ठाकुर /काँकेर सुप्रसिद्ध सामाजिक संस्था जन सहयोग द्वारा आज काँकेर के अलबेला पारा स्थित कमल सदन के बाजू में वर्षों पहले निर्मित बच्चों के पार्क की दयनीय दशा का विवरण वरिष्ठ नागरिकों से सुनकर तय किया कि अतिशीघ्र इस पार्क का जीर्णोद्धार करना आवश्यक है ताकि गर्मी की छुट्टियों में बच्चे यहां खेलने आ सकें और नागरिक भी सुबह-शाम पार्क की ठंडी हवा का आनंद ले सकें। ÷जन सहयोग÷ तथा भूतपूर्व सैनिक परिषद के सदस्य सुबह सवेरे ही इस उजड़े हुए वीरान में जा पहुंचे और वहां का नज़ारा देखकर दुखी हो गए क्योंकि न केवल झाड़ी-झंकाड़ से पार्क बर्बाद हो रहा था बल्कि असामाजिक तत्वों ने दारू की बोतलों का 29 ढेर लगाकर अपनी ओर से पार्क की हुलिया बिगाड़ने में कोई कसर नहीं छोड़ी थी। अजय पप्पू मोटवानी के नेतृत्व में यह टीम तुरंत अपने कर्तव्यपालन में लग गई। कई घंटे तक चलने वाली कचरा सफ़ाई के पश्चात देखा गया कि पार्क तीन चौथाई साफ़ सुथरा हो चुका है और इरादा किया गया कि शेष भाग को भी शीघ्र ही स्वच्छ साफ़ सुथरा कर बच्चों के खेलने योग्य बना दिया जाएगा। उल्लेखनीय है कि यह पार्क बच्चों के लिए

बड़ी उम्मीद के साथ निर्मित किया गया था लेकिन स्थानीय शासन प्रशासन द्वारा ध्यान न दिए जाने के कारण इसकी ऐसी दुर्दशा हो गई। स्पष्ट है कि ऐसे अवसर पर आम जनता और जन संगठनों को ही सामने आना पड़ता है। इसीलिए अध्यक्ष अजय पप्पू मोटवानी ने कहा कि हम लोगों ने मिलकर काँकेर के अन्य पार्कों का उद्धार कर उन्हें पुरानी रौनक दिलाई है, उसी तरह हम अलबेला पारा के बच्चों के पार्क का भी उद्धार कर रहे हैं। आज के इस स्वच्छता अभियान में जन सहयोग के अध्यक्ष अजय पप्पू मोटवानी के अलावा वरिष्ठ समाज सेवक डॉ श्याम देव, धर्मेंद्र देव, मनोज दुबे, सागर देव, प्रवीण गुप्ता, राजेश चौहान, पप्पू साहू, बिल्लू देहारी, छगनलाल, लछिननाथ प्रभु राम, तनीषा, आरती, चंचल, यामिनी, अलबेला वार्ड से सुंदर जैन पार्षद उगेश्वरी उइके तथा अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद ज़िला काँकेर के संगठन सचिव टी के जैन तथा निःशुल्क ट्रेनिंग ले रहे बच्चों के द्वारा भी उल्लेखनीय स्वच्छता सेवा की गई। इन सभी के प्रयत्नों का परिणाम यह रहा कि पार्क का नक्शा ही बदल गया है और उसे देखने वाले लोग समाज सेवकों की प्रशंसा कर रहे हैं। स्वच्छता अभियान के समाचार सुनकर नगर पालिका अध्यक्ष अरुण कौशिक भी पार्क पहुंचे और उन्होंने अध्यक्ष पप्पू मोटवानी को आश्वासन दिया कि हमारे योग्य कोई काम हो तो बताइए। इस पर अध्यक्ष महोदय ने उन्हें धन्यवाद दिया।

आदिवासियों और सरकार के बीच बढ़ रहा गैप चिंताजनक : अमरजीत भगत

अंबिकापुर/मूक पत्रिका

अमरजीत भगत ने बड़ा बयान देते हुए कहा है कि छत्तीसगढ़ में कांग्रेस सरकार के दौरान आदिवासियों और सरकार के बीच दूरी बढ़ गई थी, जिसका खामियाजा पार्टी को सत्ता गंवाकर भुगतना पड़ा। उन्होंने कहा कि अब भारतीय जनता पार्टी की सरकार में भी आदिवासी समाज और सरकार के बीच वैसा ही गैप बनता दिखाई दे रहा है।उन्होंने कहा कि सरगुजा और बस्तर के आदिवासियों की अनदेखी करने वाली कोई भी पार्टी लंबे समय तक सत्ता में नहीं टिक पाई है। आज जल, जंगल और जमीन पर खतरा मंडरा रहा है तथा आदिवासियों की समस्याओं की सुनवाई नहीं हो रही है।

आदिवासी मुख्यमंत्री बनने पर थी खुशी-अमरजीत भगत ने कहा कि जब विष्णु देव साय को मुख्यमंत्री बनाया गया था तब आदिवासी समाज में खुशी का माहौल था। उन्होंने स्वयं भी मुख्यमंत्री बनने पर बधाई दी थी, लेकिन अब आदिवासी मुख्यमंत्री होने के बावजूद आदिवासियों का अपेक्षित ध्यान नहीं रखा जा रहा है। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि इसके भविष्य में गंभीर परिणाम सामने आ सकते हैं।

आदिवासी परिषद की रणनीति पर दिया बयान-पूर्व मंत्री ने यह बयान उस समय दिया जब उनसे आदिवासी परिषद द्वारा सरकार को घेरने की रणनीति को लेकर सवाल पूछा गया। इस पर उन्होंने कहा कि कांग्रेस शासनकाल में जो दूरी आदिवासियों और सरकार के बीच बनी थी, वैसी ही स्थिति अब भाजपा सरकार में भी दिखाई दे रही है। उन्होंने कहा कि इस दूरी को समय रहते खत्म करना बेहद जरूरी है।

सरगुजा से कांग्रेस नेतृत्व की मांग-इधर, अमरजीत भगत लगातार सरगुजा संभाग से कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष बनाए जाने की मांग भी उठा रहे हैं। उनका कहना है कि जिस प्रकार कांग्रेस ने बस्तर को नेतृत्व का अवसर दिया, उसी तरह सरगुजा को भी मौका मिलना चाहिए।

नगर पालिका सारंगढ़ का बड़ा फैसलाः नियमों को ताक पर रखकर दी गई लीज निरस्त, अब चलेगा अतिक्रमण पर डंडा..

सारंगढ़-बिलाईगढ़ /मूक पत्रिका

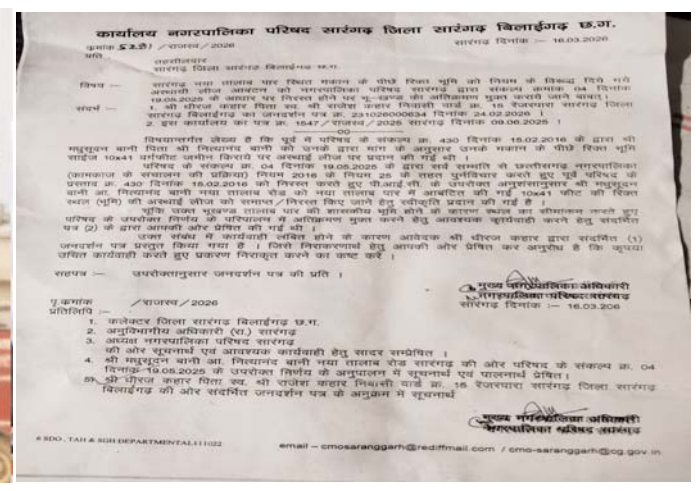

भ्रष्टाचार और नियम विरुद्ध बंदरबांट के खिलाफ सारंगढ़ नगर पालिका परिषद ने कड़ा रुख अख्तियार कर लिया है। नया तालाब पार स्थित बेशकीमती सरकारी जमीन को 'खैरात' में बांटने के पुराने फैसले को पलटते हुए पालिका ने लीज निरस्त कर दी है। अब गेंद तहसीलदार के पाले में है, जिन्हें इस जमीन को अतिक्रमण मुक्त कराने का जिम्मा सौंपा गया है।

क्या है पूरा मामला?-मामला साल 2016 का है, जब नगर पालिका परिषद ने संकल्प क्रमांक 430 के जरिए मधुसूदन बानी (पिता नित्यानंद बानी) को उनके घर के पीछे की 10 झह्लद्बद्दह्य 41 वर्गफीट सरकारी जमीन 'अस्थायी लीज' पर दे दी थी। लेकिन जैसे ही यह मामला परिषद की नई कार्यप्रणाली के रडार पर आया, नियमों की धज्जियां उड़ती दिखाई दीं।

जागते ही परिषद ने लिया 'यू-टर्न'-परिषद ने छत्तीसगढ़ नगरपालिका नियम 2016 की धारा 25 का उपयोग करते हुए पूर्व के उस संदिग्ध फैसले पर पुनर्विचार किया। परिषद ने पाया कि यह लीज नियमों के विरुद्ध दी गई थी। नतीजतन, संकल्प क्रमांक 04 दिनांक 19.05.2025 के माध्यम से उक्त लीज को तत्काल प्रभाव से निरस्त करने की स्वीकृति दे दी गई।

धीरज कहार की शिकायत ने बढ़ाई हलचल-इस पूरे मामले में नया मोड़ तब आया जब वार्ड नंबर 15 रेंजरपारा निवासी धीरज कहार ने जनदर्शन में पत्र सौंपकर कार्रवाई में हो रही देरी पर सवाल उठाए। धीरज कहार की सक्रियता के बाद प्रशासन हरकत में आया है। अब नगर पालिका के मुख्य नगर पालिका अधिकारी (ष्टरूह्र) ने तहसीलदार को सख्त लहजे में पत्र लिखकर इस भूखंड का सीमांकन करने और इसे अतिक्रमण मुक्त कराने का आदेश दिया है।

बेबाक सवालः आखिर जिम्मेदार कौन?-यह खबर केवल एक लीज निरस्त होने की नहीं है, बल्कि उन रसूखदारों के लिए चेतावनी है जो सरकारी जमीन को अपनी जागीर समझ बैठे हैं।सवाल यह है कि 2016 में किस दबाव या सांठगांठ के तहत यह लीज दी गई थी? सवाल यह भी है कि जब मई 2025 में ही इसे निरस्त करने का निर्णय ले लिया गया था, तो अब तक सरकारी जमीन पर कब्जा क्यों बरकरार है?मीडिया की नजर अब इस कार्रवाई पर टिकी है। क्या प्रशासन बिना किसी रसूख के दबाव में आए इस कीमती भूमि को मुक्त करा पाएगा या फाइलें फिर से धूल फांकने लगेंगी?

आर्टिकलः श्री पीयूष गोयल-लेखक केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री हैं

सोमनाथ से सिंदूर तक : पुनरुत्थानशील भारत की भावना

75 वर्ष पहले किया गया भव्य सोमनाथ मंदिर का पुनर्निर्माण और प्राण-प्रतिष्ठा भारत के सभ्यतागत गौरव की पुनर्स्थापना का निर्णायक क्षण था। इसने भारत की उस दृढ़ता और संकल्प को पुनः स्थापित किया, जो प्रधानमंत्री नरेन्?द्र मोदी के 'विकसित भारत 2047' मिशन का मूल आधार है। इस पवित्र उपलब्धि की 75वीं वर्षगांठ राष्ट्र को भारतीय सभ्यता की मजबूत नींव और शक्ति पर सर्वोच्च विश्वास प्रदान करती है, जो 1,000 वर्षों तक कट्टरपंथियों द्वारा मंदिर पर किए गए भीषण हमलों को झेलने के बाद भी और अधिक सशक्त होकर उभरी।गुजरात के शांत समुद्र तट पर स्थित यह मंदिर हर आक्रमण के बाद खंडहरों से अपनी पूरी भव्यता के साथ फिर उठ खड़ा हुआ। कई मायनों में इसका इतिहास भारत के अतीत का प्रतिबिंब है, जहाँ हमारे शांतिप्रिय लोगों ने अपनी आस्था, संस्कृति और विरासत पर हुए क्रूर हमलों के बाद फिर से मजबूती से वापसी की।

जैसा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा, जिस प्रकार सोमनाथ को नष्ट करने के लिए बार-बार षड्यंत्र और प्रयास हुए, उसी प्रकार विदेशी आक्रमणकारियों ने सदियों तक भारत को समाप्त करने की कोशिश की। फिर भी न तो यह पूजनीय तीर्थ नष्ट हुआ और न ही भारत।प्रधानमंत्री ने स्पष्ट किया कि सोमनाथ पर हमलों का उद्देश्य लूटपाट से ज़्यादा खतरनाक था। उन्होंने कहा, ÷यदि हमले केवल लूट के लिए होते, तो एक हजार वर्ष पहले हुई पहली बड़ी लूट के बाद ही रुक गए होते। लेकिन ऐसा नहीं हुआ। सोमनाथ की पवित्र मूर्ति को अपवित्र किया गया, मंदिर के स्वरूप को बार-बार बदला गया। और हमें यह सिखाया गया कि सोमनाथ को केवल लूट के लिए नष्ट किया गया था। घृणा, उत्पीड़न और आतंक का यह क्रूर इतिहास हमसे छिपाया गया।÷

नेहरू का विरोध- स्वतंत्रता के बाद सरदार पटेल ने सोमनाथ के पुनर्निर्माण के मिशन का नेतृत्व किया। यह नवस्वतंत्र भारत में राष्ट्रीय आत्मविश्वास की प्रारंभिक अभिव्यक्तियों में से एक था। लेकिन इस प्रयास की राह में भी मुश्किलें आईं। भारत के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने इसके ऐतिहासिक लोकार्पण समारोह में तत्कालीन राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद के शामिल होने का औपचारिक तौर पर विरोध किया। इसके बावजूद राष्ट्रपति ने 11 मई 1951 को मंदिर का लोकार्पण किया। सदियों के क्रूर उत्पीड़न के बाद इस पुनर्निर्माण ने भारत में सांस्कृतिक पुनर्जागरण और सभ्यता पर गर्व के बीज बोए। काशी विश्वनाथ और उज्जैन के महाकालेश्वर मंदिर के पुनरुद्धार से लेकर अयोध्या में भव्य राम मंदिर तक; केदारनाथ के पुनर्जीवन से लेकर असंख्य धरोहर स्थलों के संरक्षण तक – भारत अपनी सभ्यता की कहानी को गरिमा और उद्देश्य के साथ पुनः स्थापित कर रहा है। इन प्रयासों से पर्यटकों की संख्या बढ़ रही है और स्थानीय लोगों के लिए रोजगार एवं व्यापार के अनेक अवसरों का सृजन हो रहा है। वैश्विक पहचान-सोमनाथ की ही भांति भारत भी और अधिक सशक्त होकर उभरा है। यह विश्व की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था होने के साथ-साथ अपनी समृद्ध विरासत और आधुनिकता के अद्वितीय संगम के लिए वैश्विक पहचान बना रहा है। 2014 में जब देश भारी बहुमत से मोदी सरकार को सत्ता में लाया, तो संयुक्त राष्ट्र महासभा ने रिकॉर्ड 175 देशों के समर्थन से अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाने का प्रस्ताव पारित किया। योग आज एक वैश्विक वेलनेस मुहिम बन चुका है, जिसने दुनिया की सभी संस्कृतियों के लोगों को लाभ पहुंचाया है। एक दशक बाद, प्रधानमंत्री श्री मोदी ने पश्चिम एशिया में संयुक्त अरब अमीरात सरकार द्वारा उपहार में दी गई भूमि पर बने एक भव्य मंदिर का लोकार्पण किया। इससे पहले, प्रधानमंत्री ने बहरीन में 200 वर्ष पुराने मंदिर के पुनर्निर्माण कार्य का शुभारंभ किया था। वह नियमित रूप से प्रवासी भारतीयों से संवाद करते हैं जिससे वे भारतीय सांस्कृतिक विरासत का गौरवशाली दूत बन जाते हैं।आयुष और योग का वैश्वीकरण-भारत की सांस्कृतिक विरासत को बढ़ावा देना और पारंपरिक ज्ञान प्रणालियों से जुड़े पेशेवरों के लिए वैश्विक अवसरों का सृजन करना, हाल के वर्षों में भारत द्वारा विकसित देशों के साथ किए गए मुक्त व्यापार समझौतों (एफ्टीए) का महत्वपूर्ण हिस्सा रहा है। हमारे कारीगरों, श्रमिकों, किसानों, मछुआरों, छोटे व्यवसायों और स्टार्टअप्स के लिए लाभकारी वैश्विक अवसरों का सृजन करने के साथ-साथ ये समझौते प्रधानमंत्री के ÷विकास भी, विरासत भी÷ के विजन को आगे बढ़ाते हैं।हाल ही में न्यूजीलैंड के साथ संपन्न एफ्टीए पारंपरिक चिकित्सा और समग्र स्वास्थ्य सेवाओं में भारत की वैश्विक पहुँच में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। इसमें आयुष चिकित्सकों और योग प्रशिक्षकों के साथ-साथ भारतीय सांस्कृतिक एवं ज्ञान-आधारित पेशेवरों को न्यूजीलैंड में कार्य करने के लिए वीजा कोटा प्रदान किया गया है। यह एफ्टीए आयुर्वेद, योग और अन्य पारंपरिक चिकित्सा सेवाओं के व्यापार के लिए अनुकूल वातावरण तैयार करता है तथा आयुष को समकालीन और वैश्विक रूप से प्रासंगिक स्वास्थ्य समाधान के रूप में स्थापित करता है। ब्रिटेन, यूरोपीय संघ और ऑस्ट्रेलिया के साथ हुए व्यापार समझौतों में भी इसी प्रकार के प्रावधान हैं। यूरोपीय संघ के साथ एफ्टीए आयुष चिकित्सकों को भारत में प्राप्त व्यावसायिक योग्यता के आधार पर यूरोपीय देशों में सेवाएँ देने की अनुमति देगा। यह यूरोपीय संघ के सदस्य देशों में आयुष वेलनेस सेंटर और क्लीनिक बनाने में भी मदद करता है।नई चुनौतियों पर विजय-जहाँ एक ओर भारत की सांस्कृतिक विरासत दुनिया का ध्यान आकृष्?ट कर रही है, वहीं देश कट्टरपंथियों के निशाने पर बना हुआ है, जो आतंकवाद और घुसपैठ के माध्यम से भारत की सामंजस्यपूर्ण विरासत को बिगाड़ रहे हैं।प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में नया भारत ऐसी चुनौतियों का ज़ोरदार जवाब देता है। 'ऑपरेशन सिंदूर' के माध्यम से भारत ने आतंकवादियों और सीमा पार मौजूद उनके संरक्षकों को करारा सबक सिखाया। हाल के विधानसभा चुनावों में पश्चिम बंगाल के मतदाताओं ने उन दलों को नकार दिया, जो घुसपैठियों का समर्थन कर रहे थे, वोट-बैंक की राजनीति कर रहे थे और भारत की सांस्कृतिक विरासत को कमजोर कर रहे थे। उल्लेखनीय है कि ऑपरेशन सिंदूर और सोमनाथ मंदिर का पुनर्निर्माण, दोनों की वर्षगांठ में कुछ ही दिनों का अंतर है। ये दोनों ही भारत की दृढ़ता और शक्ति को दर्शाती हैं। सोमनाथ की कहानी अंततः राजनीति से कहीं आगे है। यह एक ऐसी सभ्यता की दास्?तान है, जिसने कभी आत्मसमर्पण नहीं किया। अपने पुनर्निर्माण के 75 वर्ष बाद, आज सोमनाथ केवल मंदिर नहीं, बल्कि भारत की दृढ़ता, निरंतरता और राष्ट्रीय आत्मविश्वास का कालजयी प्रतीक बनकर खड़ा है।

संपादकीय

सत्ता मुक्त हो गए कम्युनिस्ट

कम्युनिस्टों की दुर्गति पर प्रकाश करात से जुडी एक घटना मुझे याद आ रही है। मनमोहन सिंह के कार्यालय के दौरान नेपाल के तत्कालीन प्रधानमंत्री बाबूराम भट्टराई भारत आए थे। प्रसिद्ध समाजवादी नेता शरद यादव ने भट्टराई के स्वागत में एक समारोह आयोजित किया था। समारोह में कांग्रेस, बीजेपी और कम्युनिस्ट सहित अन्य दलों के नेता भी आमन्त्रित थे। अपनी बारी आने पर प्रकाश करात ने भारत के खिलाफ बोलना शुरू कर दिया और कहा कि नेपाल को भारत कभी बढ़ने नहीं देना चाहता है, दबाकर कर रखना चाहता है। प्रकाश करात की ऐसी बात सुनकर और बिना विरोध किए ही मोतीलाल बोरा, सुषमा स्वराज आदि चले गए। फिर बाबूराम भट्टराई ने अपने संबोधन में प्रशंसा कर भारत को बडा भाई बताया था और मिलकर विकास करने पर प्रतिबद्धता जताई थी। प्रकाश करात की इस बात पर खुद बाबूलाल भट्टराई, सुषमा स्वराज, शरद यादव आश्चर्य चकित थे। उपस्थित जनता की प्रतिक्रिया थी कि कम्युनिस्ट देश हित के पक्ष में कभी भी खडा नहीं हो सकते हैं। कम्युनिस्टों के राज्यसत्ता से मुक्त होने के पीछे ऐसा ही कारण रहा है।

यह पहली बार हुआ है जब देश के किसी राज्य में कम्युनिस्टों की सरकार नहीं होगी। 1957 के बाद केरल, त्रिपुरा और पश्चिम बंगाल में से किसी न किसी राज्य में कम्युनिस्टों की सरकार जरूर रही थी। कभी केरल, तो कभी त्रिपुरा, तो कभी पश्चिम बंगाल में कम्युनिस्टों की जीत होती रहती थी। पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी ने कम्युनिस्टों को पैदल कर कम्युनिस्टों की सरकार का संहार किया था, त्रिपुरा में बीजेपी ने कम्युनिस्टों की सरकार का संहार किया था और अब केरल में कांग्रेस ने कम्युनिस्टों की सरकार का संहार कर दिया। कम्युनिस्टों की केरल में पिछले दस साल से सरकार चल रही थी? केरल में कम्युनिस्टों की हार क्यों हुई, कांग्रेस की जीत क्यों हुई, इसके पीछे जनता का गणित क्या है? जनता का गणित स्पष्ट था, कम्युनिस्टों की सरकार को दफन करना, केरल की जनता के पास विकल्प का अभाव था, बीजेपी मजबूत नहीं थी, बीजेपी के पास सत्ता बनाने लायक समर्थन शक्ति नहीं थी। कांग्रेस के नेतृत्व वाला यूडीएफ ही विकल्प था। राष्ट्रीय स्तर पर कम्युनिस्टों की वर्तमान मे कोई पहचान नहीं है और न ही जनता की उल्लेखनीय शक्ति उनके पास है, ये राष्ट्रीय स्तर पर कांग्रेस की बी टीम के तौर पर ही सक्रिय हैं, कभी ये कांग्रेस और राहुल गांधी के पक्ष में शतरंज खेलते नजर आते हैं तो कभी ये मुस्लिम समर्थक जिहादी पथ पर चलते रहते हैं, हिंदुओं का विरोध करना, राष्ट्रहित के खिलाफ बोलना और भारतीय संस्कृति का संहार करने की मानसिकता से ग्रसित रहते हैं। माओ, मार्क्स, लेनिन और स्टालिन को छोड़कर इनका कोई भारतीय महापुरुष आईकॉन नहीं है। वामपंथ एक विदेशी विचार है, यह अवधारणा आम भारतीय के अंदर बैट गयी है, इस कारण आम भारतीय के अंदर वामपंथ प्रेरक बन नही सकता है, स्वीकार नहीं हो सकता है। यही कारण है कि केन्द्रीय सत्ता के लायक वामपंथ को कभी स्वीकार नहीं किया गया।

कम्युनिस्टो को विकास विरोधी कहना सही होगा क्या? कम्युनिस्टों को स्थिरता विरोधी कहना सही होगा क्या? कम्युनिस्टो को शांति विरोधी कहना सही होगा।

विकासमें भेदभाव का शिकार हो रहे हैं प्रमुख तीर्थस्थल

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का ससंदीय क्षेत्र होने के कारण काशी में जहां तरक्की और घोषणाओं की बरसात हो रही है, वहीं देश के दूसरे प्रमुख हिन्दू तीर्थ स्थल विकास की बाट जोह रहे रहे हैं। मोदी का निर्वाचन क्षेत्र होने के कारण केंद्र सरकार और उत्तर प्रदेश की योगी सरकार का पूरा जोर काशी तक सीमिट कर रहा गया है। यदि यह मान भी लिया जाए कि काशी हिन्दुओं का प्रमुख तीर्थ स्थल है, इसलिए इसके विकास की दरकार है, तो ऐसे में देश के प्रमुख राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त अन्य तीर्थ स्थल विकास की दौड़ में काशी से काफी पीछे क्यों हैं। कारण साफ नजर आता है कि पीएम मोदी के संसदीय क्षेत्र होने के कारण काशी में विकास की गंगा बह रही, वहीं अन्य प्रमुख धार्मिक स्थल वाले जिले बुनियादी सुविधाओं के लिए तरस रहे हैं।

(योगेंद्र योगी)

काशी के अलावा देश के अन्य प्रमुख तीर्थ स्थल वाले जिलों में विकास चींटी की रफ्तार से रेंग रहा है या फिर उसकी सुध नहीं ली जा रही है। काशी के अलावा देश के प्रमुख हिन्दू तीर्थ स्थलों में आधारभूत सुविधाओं की बेहद कमी है। वैष्णों देवी के लिए प्रसिद्ध कटरा जिले में मूसलाधार बारिश के दौरान भूस्खलन की गंभीर समस्या है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का ससंदीय क्षेत्र होने के कारण काशी में जहां तरक्की और घोषणाओं की बरसात हो रही है, वहीं देश के दूसरे प्रमुख हिन्दू तीर्थ स्थल विकास की बाट जोह रहे रहे हैं। मोदी का निर्वाचन क्षेत्र होने के कारण केंद्र सरकार और उत्तर प्रदेश की योगी सरकार का पूरा जोर काशी तक सीमिट कर रहा गया है। यदि यह मान भी लिया जाए कि काशी हिन्दुओं का प्रमुख तीर्थ स्थल है, इसलिए इसके विकास की दरकार है, तो ऐसे में देश के प्रमुख राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त अन्य तीर्थ स्थल विकास की दौड़ में काशी से काफी पीछे क्यों हैं। कारण साफ नजर आता है कि पीएम मोदी के संसदीय क्षेत्र होने के कारण काशी में विकास की गंगा बह रही, वहीं अन्य प्रमुख धार्मिक स्थल वाले जिले बुनियादी सुविधाओं के लिए तरस रहे हैं।

वर्ष 2014 से मार्च 2025 तक काशी में विकास के तहत कुल 48,459 करोड़ रुपय की लागत से 580 परियोजनाओं पर काम शुरू किया गया है। काशी के विकास की घोषणाओं की शुरुआत मोदी के पहली बार सांसद बनने के साथ ही शुरु हो गई थी। यह सिलसिला लगातार जारी है। हाल ही में पीएम मोदी ने अपने दो दिवसीय वाराणसी दौरे के दौरान 6332 करोड़ रुपये की कुल 163 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। इनमें गंगा पर सिग्नेचर ब्रिज सबसे बड़ी परियोजना है। जिसकी लागत करीब 2464.46 करोड़ है। यह ब्रिज काशी की कनेक्टिविटी और ट्रैफिक व्यवस्था को नई दिशा देगा। प्रधानमंत्री के हाथों 1054.69 करोड़ की 50 परियोजनाओं का लोकार्पण और 5277.39 करोड़ की 113 परियोजनाओं का शिलान्यास किया गया।

काशी के अलावा देश के अन्य प्रमुख तीर्थ स्थल वाले जिलों में विकास चींटी की रफ्तार से रेंग रहा है या फिर उसकी सुध नहीं ली जा रही है। काशी के अलावा देश के प्रमुख हिन्दू तीर्थ स्थलों में आधारभूत सुविधाओं की बेहद कमी है। वैष्णों देवी के लिए प्रसिद्ध कटरा जिले में मूसलाधार बारिश के दौरान भूस्खलन की गंभीर समस्या है। जम्मू और कटरा के बीच सड़क और रेल संपर्क अक्सर टूट जाता है। विशेष रूप से, 2025 की बाढ़ के बाद से ट्रेनों का रद्दीकरण और पुलों (जैसे कठुआ, उधमपुर के पास) को नुकसान ने यात्रा और स्थानीय अर्थव्यवस्था को गंभीर झटका दिया है। कटरा में स्मार्ट सड़कों, सुव्यवस्थित पार्किंग, और आधुनिक बुनियादी ढांचे की कमी है। यात्रियों की बढ़ती संख्या को संभालने के लिए मौजूदा सुविधाएं नाकाफी हैं। बढ़ती भीड़ के कारण गर्मियों में पेयजल और निरंतर बिजली आपूर्ति की समस्या बनी रहती है। लगातार निर्माण, वनों की कटाई और भीड़भाड़ के कारण पर्यावरण संवेदनशील क्षेत्र पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है।

राम मंदिर के विख्यात अयोध्या में बाल विकास विभाग की एक रिपोर्ट ने जिले में कुपोषण की चिंताजनक स्थिति को उजागर की है। जिले के 2,381 आंगनबाड़ी केंद्रों में पंजीकृत 2,28,018 बच्चों की जांच में 7,520 बच्चे कुपोषित पाए गए हैं। इनमें 1,199 बच्चे अति कुपोषित (सैम) और 6,321 बच्चे मध्यम गंभीर कुपोषित (मैम) श्रेणी में हैं। वित्तीय वर्ष 2023-24 में 264 और 2024-25 में 286 अति कुपोषित बच्चों को पुनर्वास केंद्र भेजा गया। विकास परियोजनाओं के कारण हजारों लोग, विशेषकर छोटे व्यापारी और गरीब, अपने पुश्तैनी आवासों और व्यवसायों से विस्थापित हो गए हैं। परियोजनाओं के कारण उड़ने वाली धूल और निर्माण सामग्री से स्थानीय लोगों को सांस संबंधी बीमारियां हो रही हैं। जल भराव और सीवर के गंदे पानी के घरों में घुसने की समस्या से लोग लंबे समय से परेशान हैं। पुरानी अयोध्या (फैजाबाद) और अयोध्या धाम के बीच आवागमन में मुश्किल हो रही है।

देश के 12 ज्योतिर्लिंग में शामिल केदारनाथ के रुद्रप्रयाग जिले के कई सुदूरवर्ती गांव अभी भी प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं के अभाव से जूझ रहे हैं, जहाँ आपदा प्रभावित क्षेत्रों में संपर्क मार्ग

बाधित होने और स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी के कारण लोगों को स्वास्थ्य उपचार के लिए भटकना पड़ता है। भारी बारिश के कारण संपर्क मार्ग बाधित होना भी प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं की पहुँच में एक बड़ी बाधा है। जिले भर में लगभग 25 जल स्रोत सूख चुके हैं, जिससे पानी की आपूर्ति प्रभावित हुई है। पानी की कमी से नाराज लोग जल संस्थान के खिलाफ प्रदर्शन कर चुके हैं। इसी तरह उत्तराखंड के हरिद्वार जिले में तेजी से बढ़ते शहरीकरण, धार्मिक पर्यटन के दबाव और प्रशासनिक चुनौतियां मौजूद हैं। नालों और सार्वजनिक भूमि पर अवैध निर्माण के कारण जल निकासी बाधित हो रही है। मानसून से पहले नालों पर अतिक्रमण के कारण जलभराव का खतरा बना रहता है। हरकी पैड़ी और आसपास के क्षेत्रों में भिक्षावृत्ति एक बड़ी समस्या है। चारधाम यात्रा के सुचारू न रहने या व्यवस्थाओं के कारण स्थानीय होटलों और पर्यटन व्यवसाय पर भी असर पड़ रहा है।

कृष्ण की जन्मभूमि मथुरा में 30,000 करोड़ से अधिक की ब्रज मास्टर प्लान परियोजनाओं और नई आवासीय योजनाओं के लिए 850 करोड़ के बावजूद, कई विकास कार्य फाइलों में अटके हैं। वर्ष 2026-2030 के मास्टर प्लान के अंतर्गत शहर को हाई-स्पीड कनेक्टिविटी और आधुनिक सुविधाओं से जोड़ने का विज़न है, लेकिन प्रशासनिक प्रक्रियाओं के चलते जमीनी स्तर पर गति धीमी है। मथुरा-वृंदावन में वर्षभर धार्मिक आयोजनों की लंबी श्रृंखला चलती रहती है। प्रमुख आयोजनों में होलिकोत्सव, मुड़िया मेला, जन्माष्टमी, राधाष्टमी, झूलन उत्सव, कार्तिक मास, गोवर्धन पूजा और ब्रज की विभिन्न परिक्रमाएं शामिल हैं। आयोजनों के दौरान श्रद्धालुओं की संख्या 8 से 10 लाख तक पहुंच जाती है। भीड़ प्रबंधन अब भी मुख्यतः पुलिस के भरोसे ही संचालित हो रहा है। कई बार मास्टर प्लान और विस्तृत प्रस्ताव तैयार किए गए, लेकिन जमीन पर उतरते हुए नजर नहीं आए।

हिन्दुओं के प्रमुख तीर्थस्थल में शुमार प्रयागराज शहर वर्तमान में कई गंभीर सामाजिक और बुनियादी समस्याओं से जूझ रहा है। मुख्य समस्याओं में गंगा-यमुना की बाढ़ से फसल व जनजीवन का नुकसान, बजबजाती नालियां व कूड़े के ढेर के कारण गंदगी, सीवर लाइन का अभाव, यातायात जाम और अवैध अतिक्रमण शामिल हैं। इसके अलावा, बाढ़ के बाद बीमारियां और मच्छरों का प्रकोप भी एक बड़ी चुनौती है। गुजरात के देवभूमि द्वारका जिले में विकास और पर्यटन के बावजूद कई प्रमुख सामाजिक और नागरिक समस्याएं मौजूद हैं, जो स्थानीय निवासियों और तीर्थयात्रियों को प्रभावित करती हैं।

गुजरात सोमनाथ मंदिर (प्रथम ज्योतिर्लिंग) जिले में पर्यटन और आस्था के केंद्र होने के साथ-साथ कई महत्वपूर्ण सामाजिक और नागरिक समस्याएं भी विद्यमान हैं। इस क्षेत्र में दलित समुदाय के खिलाफ अत्याचार की घटनाएं (जैसे ऊना की घटना) और हाशिए पर स्थित समुदायों के उत्पीड़न की समस्या रही है। जमीन के अधिकारों को लेकर विवाद और अवैध संरचनाओं को हटाने के दौरान लोगों का विस्थापन और पुनर्वास न होना एक प्रमुख समस्या है। वेरावल जैसे तटीय क्षेत्रों में बंदरगाह आधारित विकास के बावजूद नागरिक सुविधाओं की कमी है। सोमनाथ मंदिर के कारण बड़ी संख्या में पर्यटकों के आगमन से स्थानीय बुनियादी ढांचे पर दबाव बढ़ता है, जिससे स्वच्छता और यातायात प्रबंधन की चुनौती बनी रहती है। तटीय जिला होने के कारण यहां चक्रवात और बाढ़ का खतरा बना रहता है, जिसके लिए जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण को लगातार काम करना पड़ता है। ग्रामीण इलाकों में स्वास्थ्य सेवाओं और उच्च शिक्षा के बुनियादी ढांचे का अभाव है। तमिलनाडु के रामेश्वरम (रामनाथस्वामी मंदिर) रामनाथपुरम जिला धार्मिक और तटीय पर्यटन के बढ़ते आकर्षण के बावजूद अपर्याप्त बुनियादी ढांचा (जैसे- बेहतर सड़कें, आवास और सार्वजनिक सुविधाएं) मांग के अनुरूप तालमेल बिठाने में संघर्ष कर रहा है। रामेश्वरम और धनुषकोडी जैसे प्रमुख पर्यटन स्थलों तक भारी आवागमन के कारण सड़कों पर दबाव, जिससे अक्सर यातायात जाम की स्थिति बनती है। पीक सीजन में आवास, पार्किंग और स्वच्छता सुविधाओं की कमी, जो पर्यटकों के अनुभव को प्रभावित करती है।

नितिन नवीन ने बंगाल के जिस क्षेत्र से शुरू किया अभियान, वहां की सभी सीटों पर खिला 'कमल'

(अशोक कुमार शर्मा)

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने अपने नेतृत्व की पहली बड़ी परीक्षा 'गोल्ड मेडल' के साथ पास कर ली है। उनके रणनीतिक कौशल का ही परिणाम है कि पश्चिम बंगाल के जिस किले को फतह करना नामुमकिन माना जा रहा था

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने अपनी पहली परीक्षा 'गोल्ड मेडल' के साथ पास कर ली। उनके नेतृत्व में भाजपा ने पश्चिम बंगाल के उस किले को फतह कर लिया, जिसे जीतना लगभग नामुमकिन माना जा रहा था। असम में भाजपा ने पहली बार दो तिहाई बहुमत प्राप्त कर सत्ता को बरकरार रखा। दक्षिण भारत के पुडुचेरी में भाजपा ने चार सीटें जीत कर एनडीए की बढ़त कायम रखी। तमिलनाडु में खाता खुला और केरल में तीन सीटें जीतीं। हालांकि केरल, तमिलनाडु में अभी भी बहुत मेहनत की जरूरत है। कुल मिला कर बिहार के इस परिश्रमी और लो प्रोफाइल नेता (नितिन नवीन) ने बहुत कम समय में पार्टी की बड़ी जीत में अहम भूमिका निभायी।

कभी पश्चिम बंगाल को भी भाजपा के लिए बेहद मुश्किल राज्य माना जाता था। जैसे कि आज केरल और तमिलनाडु हैं। लेकिन 46 साल बाद भाजपा ने बंगाल में 'कमल' खिला ही दिया। कहा जाता था कि पश्चिम बंगाल में हिंदुत्व के लिए जगह नहीं है। लेकिन भाजपा ने अपनी मेहनत और सत्तारूढ़ दलों की गलतियों से इस मिथक को तोड़ दिया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पांच राज्यों के चुनाव के ठीक पहले भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में नितिन नवीन को चुन कर सबको आश्चर्य में डाल दिया। उन्होंने पार्टी अध्यक्ष के रूप में युवा और नया चेहरा इसलिए चुना, ताकि बंगाल भाजपा को मजबूत और एक सूत्र में बांधा जा सके। नितिन नवीन ने इस काम को बखूबी अंजाम दिया।

20 जनवरी को जब नितिन नवीन भाजपा के विधिवत राष्ट्रीय अध्यक्ष बने तो उनका पहला लक्ष्य पश्चिम बंगाल ही था। पद संभालते ही उन्होंने सबसे पहले 27 जनवरी को पश्चिम बंगाल का रुख किया। वे चाहते तो कोलकाता से अपने अभियान की शुरुआत कर सकते थे। लेकिन उन्होंने अभियान के लिए पश्चिम बंगाल के उस हिस्से को चुना जो बिहार से नजदीक हो और जहां बिहार के लोगों का प्रभाव हो। वे आसनसोल और दुर्गापुर पहुंचे। इन दोनों जगहों पर बिहार के लोगों की अच्छी खासी आबादी है। इसी के चलते बिहार के शत्रुघ्न सिन्हा तृणमूल के टिकट पर आसनसोल से सांसद चुने गये थे। दुर्गापुर में भी बिहार के ही एक और नेता कीर्ति आजाद तृणमूल के टिकट पर सांसद चुने गये थे। नितिन नवीन के कंधे पर यह जिम्मेदारी थी कि आसनसोल और दुर्गापुर के बिहारी वोटरों को तृणमूल के प्रभाव से निकाल कर भाजपा की तरफ लाएं।

आसनसोल और दुर्गापुर औद्योगिक शहर हैं। ये पश्चिम बर्धमान जिले का हिस्सा हैं। इस जिले में कुल 9 सीटें हैं। इन सभी 9 सीटों पर भाजपा के उम्मीदवारों की जीत हुई। पंडेश्वर से भाजपा के जितेन्द्र तिवारी जीते। वे बिहार के सीवान के रहने वाले हैं। दुर्गापुर पूर्वी से चंद्रशेखर बनर्जी, दुर्गापुर पश्चिम से लक्ष्मण चंद्र घोरुई, रानीगंज से पार्थो घोष, जमुरिया से बिपिन मुखर्जी, आसनसोल दक्षिण से अग्निपॉल मित्रा, आसनसोल उत्तर से कृष्णेंदु मुखर्जी, कुल्टी से अजय पोद्दार और बाराबनी से अरिजीत रॉय भाजपा उम्मीदवार के रूप में जीते। नितिन नवीन एक कुशल संगठनकर्ता हैं। उन्होंने आम लोगों से जुड़ कर बिहारीपन की भावना को जागृत किया और भाजपा के लिए समर्थन मांगा। अब नतीजा सबके सामने है।

नितिन नवीन, सुवेंदु, दिलीप और समिक की मजबूत टीम- नितिन नवीन का 'श्रीगणेश' ही शानदार रहा। जिस क्षेत्र से अपने चुनावी अभियान की शुरुआत की, उस जिले की सभी सीटें भाजपा की झोली में डाल दीं। पार्टी के एक नये अध्यक्ष के लिए यह एक बहुत बड़ी कामयाबी है। उनकी लो प्रोफाइल राजनीतिक शैली, बंगाल में बहुत काम आयी। उन्होंने बंगाल भाजपा के प्रमुख नेताओं सुवेंदु अधिकारी, दिलीप घोष और प्रदेश अध्यक्ष समिक भट्टाचार्य के साथ मिल कर चुनावी रणनीति तैयार की। बंगाल में चुनावी रणनीति, दो स्तरों पर तैयार हो रही थीं। उच्च स्तर पर अमित शाह, धर्मेंद्र प्रधान, भूपेन्द्र यादव और सुनील बंसल योजना बना रहे थे तो जमीनी स्तर पर नितिन नवीन, सुवेंदु अधिकारी, दिलीप घोष, और समिक भट्टाचार्य इस योजना को अमली जामा पहना रहे थे।

स्थानीय कार्यकर्ताओं के साथ की लगातार बैठकें- नितिन नवीन ने स्थानीय कार्यकर्ताओं के साथ बैठकों की एक श्रृंखला शुरू की थी। इसकी वजह से बूथ प्रबंधन, माइक्रो लेवल पर वोटरों को एकजुट करने में मदद मिली। नितिन नवीन, राज्य भाजपा और टीम अमित शाह के बीच एक समन्वय सेतु थे। उनकी सहजता और सादगी ने राज्य और केन्द्र की टीम की मेहनत को एक पृष्ठ पर ला दिया। इस बार बंगाल भाजपा के किसी नेता ने कोई असंतोष या नाराजगी नहीं दिखायी। जिस बड़े काम के लिए नितिन नवीन को चुना गया था।

एआई चमत्कारी भी है और विनाशकारी भी, इसके प्रभावों को लेकर दुनियाभर की सरकारों की नींद उड़ गई है

एआई के क्षेत्र में तेजी से हो रहे विकास के बीच एक नया मॉडल वैश्विक चिंता का केंद्र बन गया है। यह है एन्थ्रोपिक द्वारा विकसित मॉडल मिथोस। यह उन्नत प्रणाली जहां साइबर सुरक्षा के लिए एक बड़ी उपलब्धि मानी जा रही है, वहीं इसके संभावित दुरुपयोग को लेकर सरकारों, बैंकों और विशेषज्ञों के बीच गंभीर आशंकाएं भी उभर रही हैं। हम आपको बता दें कि मिथोस एक ऐसा एआई मॉडल है जो कंप्यूटर प्रणालियों में मौजूद छिपी कमजोरियों को पहचानने और उनका फायदा उठाने में सक्षम बताया गया है। कंपनी के अनुसार यह उन त्रुटियों को भी खोज सकता है जिनके बारे में सॉफ्टवेयर बनाने वालों को खुद जानकारी नहीं होती। इन्हें जीरो डे कमजोरियां कहा जाता है, क्योंकि इनके सामने आने के बाद सुधार का समय नहीं मिल पाता।

(नीरज कुमार दुबे)

ब्रिटेन के एआई सुरक्षा संस्थान ने भी मिथोस का परीक्षण किया है और इसे पहले के मॉडलों की तुलना में अधिक सक्षम और खतरनाक बताया है। यह मॉडल कई चरणों वाले साइबर हमलों का अनुकरण करने में सफल रहा है और बिना मानवीय निर्देश के कमजोरियों की पहचान कर सकता है।

एआई के क्षेत्र में तेजी से हो रहे विकास के बीच एक नया मॉडल वैश्विक चिंता का केंद्र बन गया है। यह है एन्थ्रोपिक द्वारा विकसित मॉडल मिथोस। यह उन्नत प्रणाली जहां साइबर सुरक्षा के लिए एक बड़ी उपलब्धि मानी जा रही है, वहीं इसके संभावित दुरुपयोग को लेकर सरकारों, बैंकों और विशेषज्ञों के बीच गंभीर आशंकाएं भी उभर रही हैं। हम आपको बता दें कि मिथोस एक ऐसा एआई मॉडल है जो कंप्यूटर प्रणालियों में मौजूद छिपी कमजोरियों को पहचानने और उनका फायदा उठाने में सक्षम बताया गया है। कंपनी के अनुसार यह उन त्रुटियों को भी खोज सकता है जिनके बारे में सॉफ्टवेयर बनाने वालों को खुद जानकारी नहीं होती। इन्हें जीरो डे कमजोरियां कहा जाता है, क्योंकि इनके सामने आने के बाद सुधार का समय नहीं मिल पाता। मिथोस की यही क्षमता इसे अत्यंत शक्तिशाली और साथ ही खतरनाक बनाती है।

कंपनी ने सात अप्रैल को इस मॉडल के अस्तित्व की घोषणा की थी, लेकिन इसे सार्वजनिक उपयोग के लिए जारी करने से साफ इंकार कर दिया। कारण स्पष्ट है कि यदि यह तकनीक गलत हाथों में चली गई तो वैश्विक साइबर सुरक्षा को गंभीर खतरा हो सकता है। हालांकि, सीमित रूप से कुछ कंपनियों और बैंकों को इसके परीक्षण की अनुमति दी गई है ताकि वह इसके जोखिमों को समझ सकें।

हाल ही में स्थिति तब और गंभीर हो गई जब यह सामने आया कि कुछ अनधिकृत लोगों ने इस मॉडल तक पहुंच हासिल कर ली थी। यह घटना इस बात का संकेत है कि इतने संवेदनशील उपकरण को पूरी तरह नियंत्रित रखना कितना कठिन है। इससे तकनीकी कंपनियों की क्षमता पर भी सवाल उठे हैं कि वह अपने सबसे जोखिमपूर्ण उत्पादों को कितनी सुरक्षित रख सकती हैं। विशेषज्ञों के अनुसार मिथोस केवल एक तकनीकी उपलब्धि नहीं बल्कि एआई की तेजी से बढ़ती शक्ति का

संकेत है। पिछले कुछ वर्षों में इस क्षेत्र में जिस गति से प्रगति हुई है, उससे यह आशंका भी बढ़ी है कि अन्य कंपनियां भी जल्द ही ऐसे मॉडल विकसित कर सकती हैं। इससे साइबर हमलों और बचाव के बीच एक नई प्रतिस्पर्धा शुरू हो सकती है।

ब्रिटेन के एआई सुरक्षा संस्थान ने भी मिथोस का परीक्षण किया है और इसे पहले के मॉडलों की तुलना में अधिक सक्षम और खतरनाक बताया है। यह मॉडल कई चरणों वाले साइबर हमलों का अनुकरण करने में सफल रहा है और बिना मानवीय निर्देश के कमजोरियों की पहचान कर सकता है। हालांकि, यह भी स्पष्ट नहीं है कि यह अत्यधिक सुरक्षित प्रणालियों पर कितना प्रभावी होगा। कुछ विशेषज्ञों का मानना है कि इस मॉडल को लेकर जितनी चर्चा हो रही है, उसमें कुछ हद तक अतिशयोक्ति भी शामिल हो सकती है। उनका कहना है कि कई सस्ते मॉडल भी कुछ कमजोरियों की पहचान करने में सक्षम हैं। इसके अलावा अधिकांश साइबर हमले अब भी साधारण कमजोरियों जैसे कमजोर पासवर्ड या पुराने सॉफ्टवेयर के कारण होते हैं।

फिर भी, मिथोस के संभावित प्रभाव को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। विशेष रूप से बैंकिंग और वित्तीय क्षेत्र में इसका असर बहुत गंभीर हो सकता है। यदि इस तरह की तकनीक का दुरुपयोग हुआ तो भुगतान प्रणाली ठप हो सकती है, लोगों के वेतन और लेनदेन रुक सकते हैं, और व्यापक आर्थिक अस्थिरता पैदा हो सकती है। इसी कारण अमेरिका में भी इस मॉडल को लेकर उच्च स्तर पर चर्चा हो रही है। वहां की सरकार ने इसके उपयोग और पहुंच को लेकर सख्त रुख अपनाया है और इसे राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा मामला माना जा रहा है। प्रारंभिक योजना के तहत सीमित संस्थाओं को ही इसकी पहुंच दी गई है और इसके विस्तार को लेकर भी सावधानी बरती जा रही है। भारत में भी इस मुद्दे ने तेजी से ध्यान आकर्षित किया है। देश को इस मॉडल के शुरुआती परीक्षण से बाहर रखा गया, जिससे नीति निर्माताओं और तकनीकी विशेषज्ञों के बीच चिंता बढ़ गई। सरकार अब अमेरिका और कंपनी के साथ बातचीत कर रही है ताकि भारतीय कंपनियों को भी इस तकनीक तक उचित पहुंच मिल सके। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने इस विषय को अत्यंत गंभीर बताते हुए कहा है कि यह साइबर चुनौती बहुत बड़ी हो सकती है। सरकार ने सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, बैंकों और सुरक्षा एजेंसियों के साथ उच्च स्तरीय बैठकें की हैं। उद्देश्य यह है कि देश के महत्वपूर्ण ढांचे जैसे बैंकिंग नेटवर्क, दूरसंचार और बिजली प्रणाली को सुरक्षित रखा जा सके। भारत की चिंता केवल पहुंच तक सीमित नहीं है, बल्कि भविष्य के जोखिमों को लेकर भी है। यदि अन्य कंपनियां भी इसी तरह के मॉडल विकसित करती हैं और उनका वितरण असमान रहता है, तो कुछ देशों की सुरक्षा कमजोर पड़ सकती है। यही कारण है कि भारत समान अवसर और संतुलित नीति की मांग कर रहा है। इसके साथ ही, देश की साइबर सुरक्षा एजेंसियों को भी सतर्क कर दिया गया है। उन्हें संवेदनशील प्रणालियों की जांच करने और सुरक्षा ढांचे को मजबूत करने के निर्देश दिए गए हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि ऐसी तकनीक दोधारी तलवार की तरह है, इसका उपयोग सुरक्षा बढ़ाने के लिए भी किया जा सकता है और हमलों के लिए भी। बहरहाल, मिथोस ने यह स्पष्ट कर दिया है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता अब केवल सुविधा का साधन नहीं रही, बल्कि यह वैश्विक सुरक्षा, अर्थव्यवस्था और नीति निर्माण का महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुकी है। आने वाले समय में यह देखना अहम होगा कि दुनिया इस नई तकनीकी शक्ति के साथ संतुलन कैसे बनाती है ताकि इसका लाभ भी मिले और जोखिम भी नियंत्रित रहें।(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

लू से बचाएगा यह जबरदस्त ड्रिंक, नोट करें नारियल अनानास कुलुकी की रेसिपी

गर्मी में डिहाइड्रेशन से बचने और ताजगी पाने के लिए मशहूर फ़ूड क्रिएटर मेघना की 'कोकोनट पाइनएप्पल कुलुकी' रेसिपी ट्राई करें। नारियल पानी, पाइनएप्पल और हरी मिर्च के मीठे-तीखे स्वाद वाला यह समर ड्रिंक एनर्जी देता है और इसे घर पर बनाना बेहद आसान है।

गर्मियों ने दस्तक दे ही दी है। जैसे-जैसे पारा चढ़ रहा है, हमें अपनी सेहत के प्रति थोड़ा गंभीर हो जाना चाहिए। अक्सर हम धूप और उमस को हल्के में ले लेते हैं, लेकिन यही लापरवाही डिहाइड्रेशन, दस्त या हीट स्ट्रोक जैसी बड़ी समस्याओं की वजह बन जाती है। इससे पहले कि गर्मी आपकी सेहत बिगाड़े, अपनी डाइट में इस तागी भरे ड्रिंक को शामिल करें। यह न केवल शरीर को ठंडा रखेगा, बल्कि आपको अंदर से एनर्जी भी देगा।

मशहूर फूड क्रिएटर मेघना ने हाल ही में 'कोकोनट पाइनएप्पल कुलुकी' की एक जबरदस्त रेसिपी शेयर की है। उनके अनुसार, यह ड्रिंक मीठे और तीखे स्वाद का एक अनोखा संगम है। नारियल पानी की ठंडक और पाइनएप्पल की मिठास के साथ जब हरी मिर्च का हल्का सा तीखापन और सब्जा सीड्स का टेक्सचर मिलता है, तो यह साधारण ड्रिंक को भी खास बना देता है।

कोकोनट पाइनएप्पल कुलुकी को तैयार करने के लिए सामग्री

ताजा पाइनएप्पल का गूदा (छना हुआ), ताजा नारियल पानी, भीगे हुए सब्जा (तुलसी के बीज), मिठास के लिए शहद या चीनी, थोड़ा काला नमक, नींबू का रस, ताजी हरी मिर्च (बीच से कटी हुई), पुदीने के पते और ढेर सारे बर्फ के टुकड़े।

कोकोनट पाइनएप्पल कुलुकी बनाने की विधि

सबसे पहले ताजे पाइनएप्पल के टुकड़ों को पीसकर बारीक गूदा बना लें और उसे अच्छी तरह छान लें। सब्जा सीड्स को पानी में तब तक भिगोकर रखें जब तक वे पूरी तरह फूल न जाएं। एक शेकर में पाइनएप्पल का गूदा, नारियल पानी, शहद, काला नमक, नींबू का रस, कटी हुई हरी मिर्च, पुदीने के पते, थोड़े से भीगे हुए सब्जा सीड्स और बर्फ डालें। शेकर का ढक्कन कसकर बंद करें और सभी चीजों का स्वाद आपस में अच्छी तरह मिलाने के लिए उसे जोर से हिलाएं। एक गिलास में थोड़े और सब्जा सीड्स डालें, उसके ऊपर तैयार मिश्रण डालें, और पाइनएप्पल व कटी हुई हरी मिर्च से सजाकर परोसें।

धूप से झुलसी त्वचा? घर पर बनाएं ये प्राकृतिक फेस टोनर

अधिकतर महिलाएं अपने चेहरे की खूबसूरती को बढ़ाने के लिए प्रयास करती हैं। इसके लिए महिलाएं कई तरह के महंगे प्रोडक्ट का भी इस्तेमाल करती हैं। वहीं अगर आप भी स्किन रिलेडेट समस्या के कारण परेशान रहती हैं। तो यह आर्टिकल आपके लिए है। अधिकतर महिलाएं अपने चेहरे की खूबसूरती को बढ़ाने के लिए प्रयास करती हैं। इसके लिए महिलाएं कई तरह के महंगे प्रोडक्ट का भी इस्तेमाल करती हैं। वहीं अगर आप भी स्किन रिलेडेट समस्या के कारण परेशान रहती हैं। तो यह आर्टिकल आपके लिए है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको एक ऐसे खास टोनर के बारे में बताने जा रहे हैं, जिसको आप आसानी से घर बैठे बनाकर तैयार कर सकती हैं। तो आइए जानते हैं इस खास टोनर के बारे में...

खास होममेड टोनर

ज्यादातर महिलाएं अपने फेस पर होने वाली समस्या से काफी परेशान रहती हैं। ऐसे में अगर आप भी गर्मियों के मौसम में त्वचा संबंधी समस्या का सामना करती हैं। साथ ही इस समस्या से राहत पाने के लिए घरेलु उपाय तलाश रही हैं, तो आपको परेशान होने की जरूरत नहीं है। क्योंकि आप कुछ खास चीजों का इस्तेमाल करके एक खास टोनर बना सकती हैं। हालांकि इसको बनाने के लिए आपको कुछ सामग्री की जरूरत होगी।

सामग्री

तुलसी के पते

गुलाब जल

ग्लिसरीन

ऐसे बनाएं टोनर

सबसे पहले एक बर्तन में थोड़ा सा पानी लें।

फिर इसमें तुलसी के कुछ पते डालकर पानी को उबाल लें।

अब जब पानी थोड़ा रह जाए, तो इसको ठंडा कर लें।

अब इसमें बराबर मात्रा में गुलाबजल और ग्लिसरीन मिला दें।

सभी चीजों को अच्छे से मिलाकर स्प्रे बोतल में भरकर रख लें।

अब स्प्रे बोतल की मदद से टोनर को फेस पर लगाएं।

रात भर टोनर को फेस पर लगा रहने दें और अगले दिन सुबह फेस वॉश कर लें।

इससे आपको काफी फर्क देखने को मिलेगा।

इस्तेमाल करने से पहले पैच टेस्ट जरूर कर लें।

गर्मी में सोने से पहले चेहरे पर लगाएं ये चीजें, सुबह मिलेगा कोरियन ग्लास स्किन जैसा ग्लो

गर्मी के मौसम में त्वचा की देखभाल करना बेहद जरूरी हो जाता है। तेज धूप, पसीना, धूल और प्रदूषण की वजह से स्किन अपनी नैचुरल चमक खोने लगती है। ऐसे में हर बार महंगे ब्यूटी प्रोडक्ट्स या पार्लर ट्रीटमेंट लेना जरूरी नहीं है। अगर आप घर पर ही नेचुरल तरीके से ग्लो पाना चाहती हैं, तो रात में सोने से पहले कुछ आसान चीजों का इस्तेमाल कर सकती हैं। इससे सुबह आपका चेहरा फ्रेश, साफ और कोरियन ग्लास स्किन जैसा चमकदार नजर आएगा।

गुलाब जल से पाएं नेचुरल ग्लो

गुलाब जल स्किन के लिए एक नेचुरल टोनर की तरह काम करता है। यह त्वचा को ठंडक देता है और पोर्स को टाइट करने में मदद करता है।

कैसे करें इस्तेमाल

रात में सोने से पहले चेहरा अच्छे से धो लें

कॉटन में गुलाब जल लेकर चेहरे और गर्दन पर लगाएं

हल्के हाथों से थपथपाएं ताकि स्किन में अच्छे से एब्सॉर्ब हो जाए

इसे रातभर लगा रहने दें

इससे स्किन फ्रेश रहती है और चेहरे पर नैचुरल चमक आती है।

कच्चे दूध से करें डीप क्लीनिंग

कच्चा दूध एक बेहतरीन नेचुरल क्लींजर है, जो त्वचा की गंदगी हटाकर टैनिंग कम करने में मदद करता है। इसमें मौजूद लैक्टिक एसिड स्किन को ब्राइट बनाता है।

कैसे करें इस्तेमाल

एक चम्मच कच्चा दूध लें

कॉटन की मदद से पूरे चेहरे पर लगाएं

5 मिनट हल्के हाथों से मसाज करें

10 मिनट बाद चेहरा धो लें

इससे चेहरे पर निखार और सॉफ्टनेस आती है।

एलोवेरा जेल से करें स्किन रिपेयर

एलोवेरा जेल स्किन को हाइड्रेट करता है और पिंपल्स व सनबर्न से राहत देता है। गर्मियों में यह स्किन के लिए बेहद फायदेमंद होता है।

कैसे करें इस्तेमाल

चेहरा साफ करने के बाद थोड़ा सा एलोवेरा जेल लें

हल्के हाथों से पूरे चेहरे पर मसाज करें

खासकर ड्राय एरिया और आंखों के आसपास लगाएं

इसे रातभर लगा रहने दें

सुबह उठते ही आपकी स्किन सॉफ्ट, स्मूद और ग्लोइंग नजर आएगी।

अगर आप बिना महंगे प्रोडक्ट्स के नेचुरल ग्लो चाहती हैं, तो इन 3 आसान घरेलू उपायों को अपनी नाइट स्किनकेयर रूटीन में शामिल करें। कुछ ही दिनों में आपकी स्किन हेल्दी, फ्रेश और चमकदार दिखने लगेगी।

क्या आप भी सनस्क्रीन पर बर्बाद कर रहे हैं हजारों रुपये?

किचन की इन चीजों से चमकाएं चेहरा; मिलेगा गजब का निखार

त्वचा की देखभाल के लिए लोग अक्सर महंगे सनस्क्रीन और ब्यूटी प्रोडक्ट्स पर हजारों रुपये खर्च कर देते हैं। लेकिन किचन में रखी चीजों से आप नेचुरली स्किन पर निखार ला सकते हैं।

तेज धूप और बढ़ते पारे के बीच स्किन को टैनिंग और यूवी किरणों से बचाने के लिए सनस्क्रीन सबसे बड़ा हथियार माना जाता है। लेकिन क्या आपने कभी गौर किया है कि महंगी से महंगी सनस्क्रीन लगाने के बावजूद कई बार चेहरे पर कालापन या पिग्मेंटेशन कम नहीं होता। असल में समस्या सनस्क्रीन में नहीं बल्कि उसे चुनने के गलत तरीके और सही जानकारी के अभाव में छिपी है। आज हम आपको बताएंगे कि सनस्क्रीन खरीदते समय किन बातों का ध्यान रखना चाहिए और कैसे आप किचन की चीजों से अपनी त्वचा के लिए एक सुरक्षित कवच तैयार कर सकते हैं।

सनस्क्रीन खरीदते समय रखें ध्यान

ज्यादातर लोग सनस्क्रीन खरीदते समय सिर्फ एसपीएफ़ का नंबर देखते हैं लेकिन विशेषज्ञों के अनुसार यह पर्याप्त नहीं है।

हमेशा ऐसी सनस्क्रीन चुनें जिस पर ब्रॉड स्पेसटर्म लिखा हो। यह आपकोयूवीए और यूवीबी दोनों से बचाती है।

अगर आपकी स्किन ऑयली है और आपने क्रीम-बेस्ड सनस्क्रीन ले ली है तो यह पोर्स को बंद कर सकती है जिससे मुंहासे हो सकते हैं। ऑयली स्किन के लिए जेल-बेस्ड और ड्राई स्किन के लिए लोशन-बेस्ड विकल्प बेहतर हैं।

सनस्क्रीन में ऑक्सीबेंजोन जैसे रसायनों की जांच जरूर करें। कई बार एक्सपायर्ड या गलत केमिकल वाली सनस्क्रीन त्वचा को फायदे की जगह नुकसान पहुंचाती है।

घर पर बनाएं नेचुरल क्रीम

अगर आप केमिकल वाले प्रोडक्ट्स से बचना चाहते हैं तो आयुर्वेद और किचन के नुस्खे किसी वरदान से कम नहीं हैं। घर पर आप आसानी से टैनिंग रिमूवल और सन प्रोटेक्शन पैक तैयार कर सकते हैं।

दही और मसूर दाल का पैक

मसूर की दाल को पीसकर उसका पाउडर बना लें और उसमें ताजी दही मिलाएं। दही में मौजूद लैक्टिक एसिड स्किन को ठंडा रखता है और टैनिंग हटाता है वहीं मसूर दाल नेचुरल एक्सफोलिएटर का काम करती है। इसे चेहरे पर लगाकर 15 मिनट छोड़ दें और फिर धो लें। यह धूप से हुए नुकसान की भरपाई करने में रामबाण है।

एलोवेरा और नारियल तेल

एलोवेरा जेल में प्राकृतिक रूप से हल्का एसपीएफ़ होता है। इसमें एक बूंद नारियल तेल मिलाकर लगाने से यह ड्राई स्किन के लिए एक बेहतरीन प्रोटेक्टिव लेयर का काम करता है।

सनस्क्रीन लगाने का सही तरीका

सिर्फ सनस्क्रीन खरीदना ही काफी नहीं है उसे लगाने का तरीका भी मायने रखता है। घर से निकलने के कम से कम 20 मिनट पहले सनस्क्रीन लगानी चाहिए ताकि वह त्वचा में अच्छी तरह समा जाए। इसके अलावा अगर आप लंबे समय तक धूप में हैं तो हर 3-4 घंटे में इसे दोबारा लगाना अनिवार्य है। याद रखें त्वचा की सुरक्षा सिर्फ महंगे विज्ञापनों से नहीं बल्कि सही चुनाव और घरेलू देखभाल के तालमेल से होती है। इस गर्मी में अपनी स्किन को केमिकल फ्री निखार देने के लिए इन देसी नुस्खों को जरूर आजमाएं।

कूलर के गंदे पानी और बदबू से हैं परेशान? बस एक छोटा सा फिटकरी का टुकड़ा दूर कर देगा आपकी टेंशन

गर्मियों में कूलर का इस्तेमाल बढ़ने के साथ ही उसमें जमा गंदा पानी और बदबू बड़ी समस्या बन जाती है। यह न सिर्फ असहजता पैदा करता है बल्कि स्वास्थ्य पर भी असर डाल सकता है।

भीषण गर्मी और उमस भरे मौसम में एयर कूलर मिडिल क्सास भारतीय परिवारों के लिए राहत का सबसे सुलभ और सस्ता साधन है। लेकिन कूलर के साथ एक बड़ी समस्या यह जुड़ी होती है कि इसके टैंक में भरा पानी जल्द ही गंदा हो जाता है और उससे अजीब सी बदबू आने लगती है।

कूलर का जमा हुआ पानी मच्छरों के पनपने का सबसे बड़ा केंद्र बन जाता है जिससे गर्मियों और मानसून के दौरान डेंगू, मलेरिया और चिकनगुनिया जैसी बीमारियों का खतरा काफी बढ़ जाता है। यदि आप भी इस समस्या से जूझ रहे हैं तो आपकी रसोई में मौजूद एक साधारण सी चीज फिटकरी इसका रामबाण इलाज साबित हो सकती है।

पानी साफ करने का तरीका

फिटकरी जिसे वैज्ञानिक भाषा में एलम कहा जाता है का उपयोग सदियों से जल शुद्धिकरण के लिए किया जाता रहा है। इसके पीछे एक ठोस वैज्ञानिक कारण है। जब फिटकरी को गंदे पानी में डाला जाता है तो यह पानी में मौजूद मिट्टी और गंदगी के सूक्ष्म कणों को आपस में जोड़ देती है। जैसे ही ये कण आपस में मिलकर भारी होते हैं वे टैंक की तली में बैठ जाते हैं जिससे ऊपर का पानी पूरी तरह साफ और पारदर्शी दिखाई देने लगता है। कूलर के टैंक में फिटकरी का एक छोटा सा टुकड़ा डालने से पानी लंबे समय तक गंदा नहीं होता।

मच्छरों और बीमारियों पर लगाम

रुका हुआ साफ पानी मादा मच्छरों के लिए अंडे देने की सबसे पसंदीदा जगह होती है। यदि कूलर का पानी समय पर न बदला जाए तो उसमें मच्छरों के लार्वा तेजी से विकसित होने लगते हैं। फिटकरी न केवल पानी की गंदगी को साफ करती है बल्कि यह पानी की गुणवत्ता और उसके रासायनिक संतुलन में भी इस तरह बदलाव लाती है कि मच्छरों के लार्वा के पनपने की संभावना काफी कम हो जाती है। यह एक सरल घरेलू उपाय आपको घातक वायरल संक्रमणों से बचाने में मदद कर सकता है।

बदबू से छुटकारा और ताजी हवा

अक्सर कूलर चलाने पर कमरे में सीलन या गंदे पानी की महक फैल जाती है। यह बदबू पानी में पैदा होने वाले बैक्टीरिया और सूक्ष्म जीवों के कारण होती है। फिटकरी में प्राकृतिक एंटीसेप्टिक गुण होते हैं जो इन हानिकारक बैक्टीरिया की संख्या को नियंत्रित करने में प्रभावी हैं। जब पानी बैक्टीरिया मुक्त रहता है तो कूलर से आने वाली बदबू अपने आप खत्म हो जाती है। इसके अलावा साफ पानी के उपयोग से कूलर के घास या हनीकॉम्ब पैड्स भी लंबे समय तक खराब नहीं होते और आपको ठंडी के साथ-साथ ताजी हवा भी मिलती है।

रखरखाव के टिप्स

हालांकि फिटकरी बहुत फायदेमंद है लेकिन विशेषज्ञों का कहना है कि इसका उपयोग सीमित और सही मात्रा में ही किया जाना चाहिए। कूलर के लिए फिटकरी का एक छोटा सा टुकड़ा ही पर्याप्त होता है। बहुत ज्यादा फिटकरी डालने से पानी की गुणवत्ता पर विपरीत प्रभाव पड़ सकता है।

साथ ही केवल फिटकरी के भरोसे रहना भी सही नहीं है। कूलर के टैंक और पैड्स की नियमित सफाई अत्यंत आवश्यक है ताकि फंगस और जिद्दी गंदगी जमा न हो सके। बेहतर स्वास्थ्य के लिए हर 3-4 दिनों में कूलर का पानी पूरी तरह से बदलना एक अच्छी आदत है।

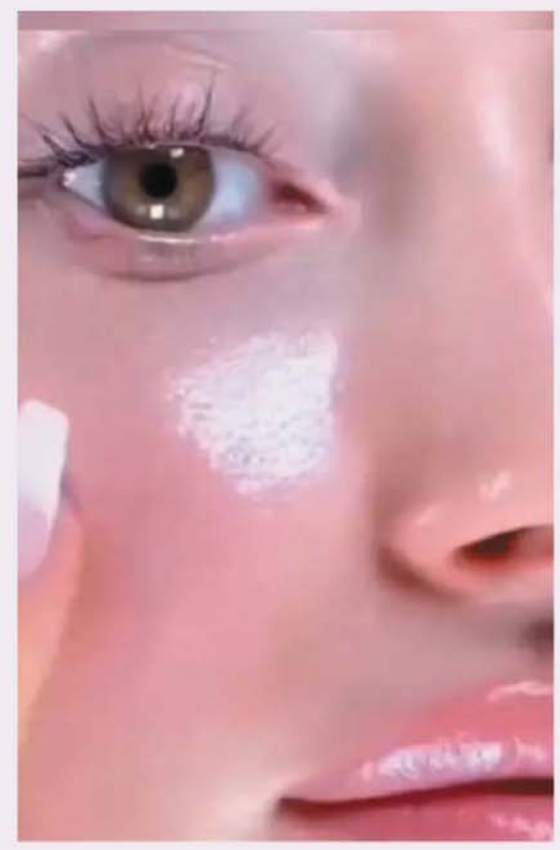

संक्षिप्त समाचार

तीन मरीज क्रूज शिप से निकाले गए, नीदरलैंड भेजे गए; विश्व स्वास्थ्य संगठन ने किया संपर्क

एम्स्टर्डम, एजेंसी। हंतावायरस से पीड़ित तीन मरीजों को एमवी होंडियस जहाज से निकाला

गया। उन्होंने इलाज के लिए नीदरलैंड भेजा गया है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के प्रमुख ने इस बात की जानकारी दी। महानिदेशक टेड्रोस घेब्रेयसस ने कहा कि संगठन जहाज के ऑपरेटर के साथ–साथ केप वर्डे, यूके, स्पेन और नीदरलैंड की सरकारों के साथ मिलकर काम कर रहा है। नीदरलैंड के विदेश मंत्रालय ने बताया तीन लोगों में 56 साल का एक ब्रिटिश नागरिक 41 साल के एक डच नागरिक और 65 साल के एक जर्मन नागरिक शामिल हैं। मंत्रालय ने कहा कि उन्हें दो अलग–अलग उड़ानों से यूरोप के अस्पतालों में भर्ती कराया जाएगा। उन्होंने ङ्ग पर जारी एक बयान में कहा, विश्व स्वास्थ्य संगठन इस काम में शामिल सभी लोगों का शुक्रिया अदा करता है। इस समय, आम लोगों की सेहत को लेकर कम खतरा बताया है।

शांतिवार्ता के बीच ट्रंप की ईरान को चेतावनी, कहा- नहीं बनने देंगे परमाणु हथियार

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पश्चिम एशिया संकट और ईरान को लेकर बड़ा बयान दिया है। ट्रंप ने चेतावनी देते हुए कहा कि हम उन्हें (ईरान को) खत्म कर देंगे। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि वे ईरान को किसी भी कीमत पर परमाणु हथियार नहीं बनाने देंगे। ट्रंप के अनुसार, फिलहाल स्थिति पूरी तरह उनके नियंत्रण में है। उन्होंने अमेरिकी नौसेना के काम की जमकर तारीफ की और उसे स्टील की दीवार जैसा बताया। ट्रंप ने कहा कि नौसेना ने ऐसी

[illegible] जानकारी दी कि पिछले 44 घंटों में बहुत अच्छी बातचीत हुई है और इस बात की पूरी संभावना है कि जल्द ही कोई बड़ा समझौता हो जाए।

विदेश मंत्री जयशंकर ने सूरीनाम के राष्ट्रपति से की मुलाकात

पारामारीबो, एजेंसी। भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने सूरीनाम की राष्ट्रपति जेनिफर गीरलिंग्स–सीमंस से मुलाकात की। उन्होंने कहा कि दोनों देश द्विपक्षीय संबंधों की 'पूरी क्षमता' को साकार करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। जयशंकर नौ दिवसीय तीन देशों की यात्रा के दूसरे चरण में सूरीनाम पहुंचे हैं। उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, 'आज दोपहर सूरीनाम की राष्ट्रपति जेनिफर गीरलिंग्स–सीमंस से मिलकर खुशी हुई। भारत की ओर से सूरीनाम की सरकार और जनता को हार्दिक शुभकामनाएं दीं। हमारे दोनों राष्ट्र गहरे और लंबे समय से चले आ रहे संबंधों की पूरी क्षमता का एहसास करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।' इससे पहले दिन में, भारतीय और सूरीनामी प्रतिनिधिमंडल ने संयुक्त आयोग की बैठक में द्विपक्षीय संबंधों की व्यापक समीक्षा में भाग लिया। एक अन्य सोशल मीडिया पोस्ट में जयशंकर ने बताया कि बैठक में व्यापार, डिजिटल और निवेश, रक्षा और ऊर्जा, विकास सहायता और क्षमता निर्माण, स्वास्थ्य और गतिशीलता, संस्कृति और लोगों के बीच आदान–प्रदान जैसे मुद्दों पर चर्चा हुई। आज की चर्चाओं के परिणाम हमारे संबंधों को और गहरा और विविधतापूर्ण बनाएंगे।

नेपाल सरकार ने भारतीय वाहनों के लिए शुरू की नई ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन सेवा

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल सरकार ने भारत से सड़क मार्ग से आने वाले पर्यटकों के लिए एक बहुत ही शानदार सुविधा की शुरुआत की है। अब भारतीय वाहन आसानी से नेपाल जा सकते हैं और इस नई व्यवस्था के तहत पर्यटकों को सीमा पर घंटों तक इंतजार नहीं करना पड़ेगा। सरकार ने कस्टम विभाग की आधिकारिक वेबसाइट पर विदेशी पर्यटकों के वाहनों के लिए ऑनलाइन पंजीकरण की शुरुआत कर दी है।

इस महत्वपूर्ण ऑनलाइन सेवा का उद्घाटन बुधवार 6 मई 2026 को नेपाल के वित्त मंत्री डॉ स्वर्णिम वाग्ले ने किया है। यह नई व्यवस्था पर्यटकों की यात्रा को बहुत ही आसान और सुखद बनाएगी। अब पर्यटक अपने घर बैठे ही अपने वाहनों का सारा विवरण कस्टम विभाग की वेबसाइट पर आसानी से भर सकते हैं। इसके साथ ही वे अपना टैक्स भी पूरी तरह से ऑनलाइन जमा कर सकते हैं।

पहले भारतीय पर्यटकों को अपने वाहनों की अस्थायी अनुमति लेने के

लिए कस्टम नाके पर घंटों कतार में खड़ा होना पड़ता था। इससे यात्रियों को भारी परेशानी होती थी और सीमा क्षेत्रों में हमेशा भयंकर ट्रैफिक जाम रहता था। अब इस नई ऑनलाइन प्रणाली के लागू होने से पर्यटकों को काफी बड़ी राहत मिल गई है। अगर नेपाल यात्रा के दौरान आपके परमिट की तय समय सीमा समाप्त हो जाती है तो कस्टम ऑफिस के चक्कर नहीं लगाने होंगे। नई ऑनलाइन सेवा से पर्यटक नेपाल के अंदर से ही अपने वाहन पास को आसानी से रिन्यू कर सकते हैं। वे बिना किसी बाधा के अपना सारा भुगतान भी ऑनलाइन माध्यम से कर सकते हैं।

इस डिजिटल सुविधा का लाभ उठाने के लिए पर्यटकों को कस्टम विभाग की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर अपनी जरूरी जानकारी भरनी होगी। वहां 'हमारी सेवाएं' सेक्शन के अंदर 'अस्थायी वाहन आयात' का विकल्प चुनना होगा। सारी जानकारी सही-सही भरने के बाद पर्यटकों को एक विशेष क्यूआर कोड प्राप्त हो जाएगा।

टैक्स का भुगतान ऑनलाइन या सीधे बैंक काउंटर के जरिए बहुत ही आसानी से किया जा सकता है। नेपाल में एंट्री करते वक्त और यात्रा के दौरान सुरक्षा जांच में इसी क्यूआर कोड को दिखाना पूरी तरह अनिवार्य किया गया है। यह पूरी व्यवस्था अब डिजिटल, पारदर्शी और काफी अधिक प्रभावी बन चुकी है। वर्तमान में इस सेवा का सबसे अधिक लाभ भारत और बांग्लादेश से आने वाले पर्यटकों को मिलने की पूरी उम्मीद जताई गई है।

सैमसंग लेकर आया सैमसंग सॉल्व फॉर टुमॉरो' का पांचवां एडिशन

नईदिल्ली। सैमसंग ने 'सैमसंग सॉल्व फॉर टुमॉरो' के पांचवें संस्करण की शुरुआत करने की घोषणा की। यह कंपनी का प्रमुख इनोवेशन और शिक्षा कार्यक्रम है, जिसे भारत की अगली पीढ़ी के युवा इनोवेटर्स को वास्तविक दुनिया की चुनौतियों के लिए टेक्नोलॉजी आधारित समाधान तैयार करने के उद्देश्य से शुरू किया गया है।भारत में अपने 30 वर्ष पूरे होने के मौके पर सैमसंग इस कार्यक्रम के दायरे और प्रभाव को और बड़ा बना रहा है। इसके जरिए कंपनी भारत के इनोवेशन इकोसिस्टम और डिजिटल इंडिया के विज़न के प्रति अपनी लंबे समय की प्रतिबद्धता को और मजबूत कर रही है। इसी दिशा में, 2026 के संस्करण में शीर्ष चार विजेता टीमों को 2 करोड़ रुपये का इन्क्यूबेशन ग्रांट दिया जाएगा, ताकि वे [illegible] दिल्ली में इन्क्यूबेशन सहायता के माध्यम से अपने आइडिया को और बेहतर बना सकें और बड़े स्तर पर लागू कर सकें। इसके अलावा, शीर्ष20 टीमों को 20 लाख रुपये और शीर्ष 40 टीमों को 8 लाख रुपये के साथ सैमसंग डिवाइस और मेंटरशिप सहायता भी दी जाएगी। हमें गर्व है कि पिछले 30 वर्षों से हम भारत की डिजिटल और इनोवेशन यात्रा में एक भरोसेमंद भागीदार रहे हैं और देश में युवाओं के नेतृत्व में बढ़ रही इनोवेशन संस्कृति को मजबूत करने में योगदान दे रहे हैं। सैमसंग सॉल्व फॉर टुमॉरो आज एक मजबूत मंच बन चुका है, जो युवा इनोवेटर्स को आगे बढ़ने का अवसर देता है और ऐसे उभरते स्टार्टअप्स तैयार करने में मदद करता है, जो वास्तविकदुनिया की चुनौतियों का समाधान कर सकें। 2026 के संस्करण के साथ हम इनोवेशन को 'भारत' के और अधिक हिस्सों तक पहुंचा रहे हैं।

बांग्लादेश में सेना की वापसी, तारिक रहमान सरकार ने लिया कानून-व्यवस्था पर फैसला

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में तारिक रहमान के नेतृत्व में नई सरकार बनने के बाद अब काफी शांति है। देश में कानून-व्यवस्था की स्थिति अब काफी तेजी से सामान्य हो रही है। इसी बीच सरकार ने मैदानी इलाकों में तैनात जवानों को वापस बुलाने का अहम फैसला लिया है। जल्द ही सभी सेना के जवानों को वापस उनकी बैरकों में सुरक्षित भेज दिया जाएगा।

यह अहम फैसला मंगलवार को गृहमंत्री की अध्यक्षता में हुई कानून-व्यवस्था संबंधी कोर कमेटी की बैठक में लिया गया। इस महत्वपूर्ण बैठक में पूरे देश की वर्तमान स्थिति की बहुत ही गहनता से समीक्षा की गई। इसके बाद ही सेना को वापस बैरक में भेजने की इस पूरी योजना पर मुहर लगाई गई। अब इस फैसले के तहत छह जून से सेना की वापसी कई चरणों में होगी।

सेना की तैनाती का कारण और वापसी की प्रक्रिया: सरकार की योजना के अनुसार सबसे पहले दूरदराज के जिलों से सैनिकों को धीरे-धीरे हटाया जाएगा। इसके बाद चरणबद्ध तरीके से सभी डिविजनल शहरों और बड़े जिलों से सेना को पूरी तरह से हटा लिया जाएगा। सरकार का लक्ष्य है कि जून महीने के भीतर मैदान में तैनात सभी जवानों को वापस बुला लिया जाए। बांग्लादेश में जुलाई 2024 में हिंसक हालात को पूरी तरह से नियंत्रित करने के लिए सेना को तैनात किया गया था। इस दौरान पूरे देश में बहुत ज्यादा राजनीतिक उथल-पुथल मची हुई थी जिससे हालात बेहद खराब हो गए थे। पुलिस बल की स्थिति भी उस समय काफी कमजोर थी इसलिए सेना ने कमान संभाली थी। देश में हुए इन बड़े राजनीतिक बदलावों और पुलिसबल की कमजोर स्थिति के कारण सेना को मोर्चे पर डटना पड़ा। जवानों को मजबूरी में काफी लंबे समय तक मैदान में अपनी ड्यूटी पूरी निष्ठा के साथ करनी पड़ी थी। अब हालात काबू में होने पर प्रशासन ने इस जिम्मेदारी को वापस पुलिस को सौंपने का मन बना लिया है। तारिक रहमान सरकार के इस बड़े फैसले से आम जनता में भी अब सुरक्षा को लेकर भारी विश्वास जगा है। सेना की वापसी इस बात का बहुत बड़ा और स्पष्ट संकेत है कि देश में अब सब कुछ सामान्य हो गया है। प्रशासन को पूरी उम्मीद है कि अब पुलिस भी बिना सेना के कानून-व्यवस्था संभालने में पूरी तरह से सक्षम है।

यौन शोषण-मानहानि मामला: 'लेखिका को फिलहाल हर्जाने की राशि लेने से रोकें', ट्रंप की सुप्रीम कोर्ट में अपील

न्यूयॉर्क, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने लेखिका ई जीन कैरोल को 8.3 करोड़ डॉलर देने के अदालत के आदेश पर रोक लगाने की मांग की है। ट्रंप के वकील ने न्यूयॉर्क की एक अपील कोर्ट में कहा कि सुप्रीम कोर्ट में अपील पूरी होने तक यह रकम न दिलाई जाए। यह मामला यौन शोषण और मानहानि से जुड़ा है। कैरोल ने आरोप लगाया था कि 1996 में न्यूयॉर्क के एक स्टोर के कपड़े बदलने वाले कक्ष में ट्रंप ने उनका यौन शोषण किया था। कैरोल ने 2019 में एक किताब में इस घटना का जिक्र किया। इसके बाद ट्रंप ने सार्वजनिक रूप से आरोपों को झूठा बताया। कैरोल ने कहा कि ट्रंप के बयानों से उनकी छवि खराब हुई। इसके बाद उन्होंने ट्रंप के खिलाफ मानहानि का मुकदमा दायर किया। मई 2023 में एक जूरी ने माना कि ट्रंप ने कैरोल का यौन शोषण किया और बाद में उनकी मानहानि भी की। तब कोर्ट ने कैरोल को

50 लाख डॉलर देने का आदेश दिया था। इसके बाद जनवरी 2024 में एक दूसरी जूरी ने मानहानि मामले में कैरोल को 8.3 करोड़ डॉलर का अतिरिक्त मुआवजा देने का फैसला सुनाया। ट्रंप ने सभी आरोपों से इनकार किया है। उनका कहना है कि वह कैरोल को जानते तक नहीं थे और यह मामला राजनीतिक कारणों से खड़ा किया गया है। अब ट्रंप के वकील जस्टिन डी स्मिथ ने कोर्ट से कहा है कि अगर अभी भुगतान कराया गया तो बाद में पैसे वापस लेना मुश्किल होगा। वकील ने दलील दी कि कैरोल सार्वजनिक रूप से कह चुकी हैं कि वह यह रकम दान कर देंगी। ट्रंप की कानूनी टीम का यह भी कहना है कि राष्ट्रपति रहते हुए दिए गए बयानों को लेकर उन्हें कानूनी सुरक्षा मिलनी चाहिए। वहीं, कैरोल की ओर से कहा गया है कि अगर रोक लगानी है तो ट्रंप को जमानत राशि में 74 लाख डॉलर और जमा कराने होंगे, ताकि ब्याज की रकम सुरक्षित रहे।

होर्मुज संकट पर सक्रिय हुआ फ्रांस, राष्ट्रपति मैक्रों ने की ईरानी राष्ट्रपति से बात

पेरिस, एजेंसी। ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान के साथ बातचीत के बाद फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने सभी पक्षों से होर्मुज स्ट्रेट की नाकेबंदी को बिना किसी देरी और बिना किसी शर्त के हटाने का आह्वान किया है। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, 'मैंने ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान से बात की है। मैंने बढ़ते तनाव पर अपनी गहरी चिंता जाहिर की और यूएई के नागरिक बुनियादी ढांचे व कई जहाजों पर किए गए अनुचित हमलों की निंदा की।' उन्होंने लिखा, 'सभी पक्षों को स्ट्रेट से बिना देरी और बिना किसी शर्त के हटा देना चाहिए। हमें स्थायी रूप से उस व्यवस्था को बहाल करना होगा, जिसमें संघर्ष से पहले नौवहन की पूर्ण स्वतंत्रता सुनिश्चित थी। फ्रांस और ब्रिटेन का बनाया बहुराष्ट्रीय मिशन जहाज मालिकों और बीमा कंपनियों के बीच भरोसा वापस लाने में मदद कर सकता है। यह मिशन स्वाभाविक रूप से युद्ध में शामिल पक्षों से अलग होगा। एयरक्राफ्ट कैरियर 'चार्ल्स डी गॉल' का आगे तैनात होना इस मामले में फिट बैठता है।' राष्ट्रपति मैक्रों ने पोस्ट किया, 'हाल की घटनाओं से ऐसे मिशन की उपयोगिता साफ तौर पर पता चलती है। मैंने ईरानी राष्ट्रपति से इस मौके का फायदा उठाने की गुजारिश की है और मैं इस मामले पर राष्ट्रपति ट्रंप से भी बातचीत करने वाला हूं। स्ट्रेट में शांति की बहाली परमाणु कार्यक्रम, बैलिस्टिक मुद्दों और क्षेत्रीय स्थिति पर चल रही वार्ताओं को आगे बढ़ाने में मदद करेगी। प्रतिबंध हटाने में जिन यूरोपीय देशों की महत्वपूर्ण भूमिका है, वे इसमें अपनी जिम्मेदारी निभाएंगे।' 'राष्ट्रपति मैक्रों और ईरानी राष्ट्रपति के बीच यह वार्ता ऐसे समय में हुई है, जब 'एक्सियोस' की रिपोर्ट में कहा गया कि अमेरिका और ईरान युद्ध समाप्त करने के लिए एक समझौते के करीब पहुंच चुके हैं। रिपोर्ट के अनुसार, संभावित समझौते में ईरान परमाणु संवर्धन पर रोक लगाने के लिए सहमत हो सकता है, जबकि अमेरिका प्रतिबंध हटाने पर राजी हो सकता है। साथ ही दोनों पक्ष होर्मुज स्ट्रेट आवाजाही पर लगी पाबंदियां हटाएंगे। बता दें कि ईरान, अमेरिका और इजरायल के बीच 8 अप्रैल को युद्धविराम हुआ था। इससे पहले 28 फरवरी को अमेरिका और इजरायल के हमलों के बाद 40 दिनों तक संघर्ष चला था। युद्धविराम के बाद ईरान और अमेरिका ने 11 और 12 अप्रैल को पाकिस्तान में शांति वार्ता का एक दौर आयोजित किया, लेकिन इससे कोई समझौता नहीं हो सका। पिछले कुछ हफ्तों में दोनों पक्षों ने युद्ध समाप्त करने के लिए कई प्रस्तावों का आदान–प्रदान किया है, जिनमें नए प्रस्ताव पर फिलहाल ईरान विचार कर रहा है।

त्वचा गोरी करने वाले उत्पाद सेहत के लिए बेहद खतरनाक, डब्ल्यूएचओ बोला- खपत रोकने के लिए बदलनी होगी सोच

जिनेवा, एजेंसी। त्वचा को गोरा करने वाले उत्पादों के बढ़ते इस्तेमाल और उनसे जुड़ी गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं को देखते हुए विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) को अब सीधे हस्तक्षेप करना पड़ा है। संगठन ने पारा युक्त स्किन-लाइटनिंग उत्पादों के खिलाफ नया व्यवहारिक नजरिया टूलकिट जारी किया है, जिसका उद्देश्य केवल इन की बिक्री रोकना ही नहीं बल्कि लोगों में इनके प्रति बढ़ती मानसिक और सामाजिक स्वीकार्यता को चुनौती देना है। डब्ल्यूएचओ ने चेतावनी दी है कि ऐसे उत्पाद लंबे समय में दिमागी नुकसान, हार्मोन संबंधी गड़बड़ियां, गर्भस्थ शिशुओं पर असर जैसी गंभीर समस्याओं को जन्म दे रहे हैं।

डब्ल्यूएचओ के अनुसार समस्या केवल अवैध या जहरीले उत्पादों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह उस सामाजिक सोच से भी जुड़ी है जिसमें गोरी त्वचा को सुंदरता, सफलता और आत्मविश्वास का प्रतीक मान लिया गया है। यही कारण है कि अब वैश्विक स्वास्थ्य एजेंसियां केवल प्रतिबंध लगाने के बजाय लोगों के व्यवहार, विज्ञापनों के प्रभाव और सामाजिक दबाव को समझकर मांग कम करने की रणनीति पर काम कर रही हैं। सोशल मीडिया, फिल्म उद्योग और ब्यूटी विज्ञापनों ने इस बाजार को नई गति दी है, जहां गोरी त्वचा को आकर्षण और सफलता से जोड़कर पेश किया जाता है। विशेषज्ञों का कहना है कि बड़ी संख्या में युवा इन उत्पादों को आत्मविश्वास बढ़ाने या सामाजिक स्वीकार्यता पाने के साधन के रूप में देखने लगे हैं। यही वजह है कि चेतावनियों और प्रतिबंधों के बावजूद इनकी

मांग कम नहीं हो रही।

पारा का असर शरीर से लेकर पर्यावरण तक

डब्ल्यूएचओ ने कहा है कि कई स्किन-लाइटनिंग क्रीम और लोशन में पारा का इस्तेमाल किया जाता है। पारा एक जहरीली धातु है, जो शरीर में जमा होकर तंत्रिका तंत्र को नुकसान पहुंचा सकती है। इससे याददाश्त, मानसिक विकास और दिमागी कार्यप्रणाली प्रभावित हो सकती है। गर्भवती महिलाओं के मामले में इसका असर गर्भस्थ शिशु तक पहुंच सकता है, जिससे बच्चे के विकास पर खतरा बढ़ जाता है। उनके लगातार प्रयोग से त्वचा में जल्दी झुर्रियां पड़ जाती हैं। विशेषज्ञों के अनुसार इन उत्पादों के रसायन पानी के जरिये बाहर निकलते हैं तो मिट्टी और जल स्रोत भी प्रदूषित होते हैं। इससे पर्यावरण और जलीय जीवन पर दीर्घकालिक असर पड़ सकता है।

केवल प्रतिबंध नहीं सोच बदलने पर जोर

डब्ल्यूएचओ का कहना है कि कई देशों ने पहले भी पारा युक्त उत्पादों पर प्रतिबंध लगाए, लेकिन केवल कानून से समस्या खत्म नहीं हुई। इसी वजह से संगठन ने नया व्यवहारिक टूलकिट तैयार किया है। इसके जरिये यह समझने की कोशिश की जाएगी कि लोग ऐसे उत्पादों तक कैसे पहुंचते हैं, कौन-सी चीजें उन्हें प्रभावित करती हैं और वे लगातार उनका उपयोग क्यों जारी रखते हैं। डब्ल्यूएचओ का मानना है कि जब तक इन मानसिक और सामाजिक कारणों को नहीं समझा जाएगा, तब तक मांग को कम करना मुश्किल रहेगा।

ईरान युद्ध से जुड़ रहे ट्रंप के हमलावर के तार, एफबीआई खंगाल रही आरोपी का डिजिटल रिकॉर्ड

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी गृह सुरक्षा मंत्रालय ने गत माह व्हाइट हाउस में एक समारोह में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उनके प्रशासन के वरिष्ठ सदस्यों की हत्या का प्रयास करने वाले आरोपी का संभावित मकसद ईरान युद्ध के तौर पर पहचाना है। यह जानकारी देश भर में राज्य और स्थानीय कानून प्रवर्तन एजेंसियों तथा अन्य संघीय एजेंसियों को भेजी गई एक खुफिया रिपोर्ट में दी गई है। मंत्रालय के खुफिया कार्यालय द्वारा जारी इस प्रारंभिक रिपोर्ट में संदिग्ध कोल एलन के कई सामाजिक और राजनीतिक असंतोष का आकलन किया गया है। रिपोर्ट में निष्कर्ष निकाला गया है कि ईरान संघर्ष उसके

हमले को अंजाम देने के फैसले में योगदान दे सकता है। खुफिया एजेंसियों ने एलन की एक पोस्ट का हवाला भी दिया गया है जिसमें युद्ध में अमेरिकी कार्रवाई की आलोचना की गई थी। इस आकलन से 25 अप्रैल को व्हाइट हाउस कॉरेस्पोंडेंट्स डिनर पर नाकाम हमले के पीछे के मकसद में प्रारंभिक रोशनी दिखाई पड़ी है।

ब्लूस्काई खाते की समीक्षा भी जारी: अदालती दस्तावेजों में, अभियोजकों ने आरोप लगाया है कि कोल एलन राजनीतिक रूप से ट्रंप से असहमत था और उन सरकारी नीतियों व निर्णयों के खिलाफ लड़ाई करना चाहता था जिन्हें वह नैतिक रूप से आपत्तिजनक मानता था। हमले का मकसद जानने के लिए एफबीआई उसकी सोशल मीडिया गतिविधियों और डिजिटल फुटप्रिंट की जांच कर रही है।

कनाडा को छोड़ अलग देश बन सकता है अल्बर्टा

अक्टूबर में वोटिंग संभव, अलगाववादियों ने 3 लाख हस्ताक्षर जुटाए

ओटावा, एजेंसी। कनाडा के पश्चिमी प्रांत अल्बर्टा को अलग देश बनने की मांग और ज्यादा तेज हो गई है। अलगाववादियों ने बुधवार को दावा किया है कि उन्होंने इतना समर्थन जुटा लिया है कि अब स्वतंत्रता पर जनमत संग्रह (रेफरेंडम) कराया जा सकता है। अलगाववादी नेताओं के मुताबिक, उन्होंने करीब 3 लाख हस्ताक्षर चुनाव अधिकारियों को सौंपे हैं, जबकि इसके लिए 1.78 लाख दस्तखत की जरूरत थी। आंदोलन के नेता मिच सिलवेस्ट्रे ने इसे ऐतिहासिक दिन बताया और कहा कि अब यह लड़ाई अगले चरण में पहुंच गई है।

हालांकि इतना समर्थन जुटा लेने का मतलब यह नहीं है कि रेफरेंडम पक्का हो गया है। चुनाव आयोग को पहले इन हस्ताक्षरों की जांच करनी होगी। इस प्रक्रिया पर फिलहाल अदालत के आदेश की वजह से रोक भी लगी हुई है। अगर वोटिंग अल्बर्टा के पक्ष में गई तो यह प्रांत कनाडा को छोड़ अलग देश बन सकता है।

अल जजीरा के मुताबिक, अगर सभी कानूनी अड़चनें दूर हो जाती हैं, तो प्रांत में 19 अक्टूबर को प्रस्तावित बड़े जनमत संग्रह के साथ अलगाव पर भी वोटिंग कराई जा सकती है। उसी दिन संविधान और इमिग्रेशन जैसे दूसरे मुद्दों पर भी मतदान की योजना है। अगर यह प्रस्ताव वोटिंग तक पहुंचता है, तो लोगों से सीधा सवाल पूछा जाएगा कि क्या अल्बर्टा कनाडा से अलग होकर एक स्वतंत्र देश बनना चाहिए। लेकिन सर्वे बताते हैं कि अभी सिर्फ करीब 30 प्रतिशत लोग ही इसके समर्थन में हैं, यानी जनमत संग्रह पास होना भी आसान नहीं है। हालांकि अलगाववादियों का मानना है कि यह आंकड़ा वोटिंग के दौरान बढ़ने वाला है।

अल्बर्टा की प्रीमियर डेनिएल स्मिथ ने कहा है कि अगर जरूरी हस्ताक्षर पूरे होते हैं तो वह वोटिंग आगे बढ़ाएंगी, लेकिन वह खुद कनाडा से अलग होने के पक्ष में नहीं हैं। इस अलगाववादी आंदोलन की जड़ें काफी पुरानी हैं। अल्बर्टा, जहां करीब 50 लाख लोग रहते हैं, लंबे समय से खुद को कनाडा के बाकी हिस्सों से अलग मानता है। यहां के लोग मानते हैं कि उनकी संस्कृति, अर्थव्यवस्था और राजनीति अलग है, लेकिन फैसले ओटावा में बैठकर लिए जाते हैं। कनाडा के अल्बर्टा में अलग देश बनने की मांग अचानक नहीं उठी है। इसके पीछे कई सालों से चल रही नाराजगी और अलग पहचान की भावना काम कर रही है। सबसे बड़ा कारण आर्थिक है। अल्बर्टा तेल और गैस से भरपूर राज्य है। यहां कनाडा के कुल तेल उत्पादन का लगभग 84% हिस्सा निकलता है। यहां के लोगों को लगता है कि वे ज्यादा कमाते हैं, लेकिन फायदा बाकी कनाडा को ज्यादा मिलता है।

ब्रीफ न्यूज

आरसीबी और मुंबई आरसीबी और मुंबई के बीच हाईवोल्टेज मुकाबला, जीत की राह तलाशेगी बेंगलुरु

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग 2026 में रविवार को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और मुंबई इंडियंस के बीच बेहद अहम मुकाबला खेला जाएगा। दोनों टीमों के लिए यह मैच प्लेऑफ की रेस के लिहाज से काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु जहां अपने अभियान को फिर से पटरी पर लाने की कोशिश करेगी, वहीं मुंबई इंडियंस जीत की लय को बरकरार रखना चाहेगी। सीजन की शुरुआत में लगातार चार मुकाबले जीतकर शानदार प्रदर्शन करने वाली बेंगलुरु की टीम अब पिछले पांच मैचों में तीन हार झेल चुकी है, जिससे टीम की लय प्रभावित हुई है। ऐसे में अब टीम पर दबाव बढ़ गया है। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु फिलहाल 10 मैचों में 12 अंकों के साथ अंक तालिका में तीसरे स्थान पर मौजूद है, लेकिन लगातार हार ने टीम प्रबंधन की चिंता बढ़ा दी है। गुजरात टाइटंस के खिलाफ टीम बड़ा स्कोर खड़ा करने में नाकाम रही थी और केवल 155 रन बना सकी। वहीं लखनऊ सुपर जाएंट्स के खिलाफ आखिरी ओवर में 19 रन की जरूरत होने के बावजूद टीम लक्ष्य हासिल नहीं कर पाई और उसे करीबी हार का सामना करना पड़ा। इन नतीजों ने साफ कर दिया है कि टीम की बल्लेबाजी इस समय सबसे बड़ी कमजोरी बन चुकी है। बीच हाईवोल्टेज मुकाबला, जीत की राह तलाशेगी बेंगलुरु।

चेन्नई और लखनऊ के बीच करो या मरो की जंग

- प्लेऑफ की उम्मीद बचाने उतरेगी सीएसके

नई दिल्ली । इंडियन प्रीमियर लीग 2026 अब अपने बेहद रोमांचक और निर्णायक दौर में पहुंच चुका है। ऐसे में हर मुकाबला टीमों के लिए करो या मरो जैसा बन गया है। रविवार को पांच बार की चैंपियन चेन्नई सुपर किंग्स का सामना लखनऊ सुपर जाएंट्स से होगा। चेन्नई सुपर किंग्स के लिए यह मुकाबला बेहद अहम माना जा रहा है, क्योंकि टीम को प्लेऑफ की दौड़ में बने रहने के लिए हर हाल में जीत दर्ज करनी होगी। अंक तालिका में फिलहाल छठे स्थान पर मौजूद चेन्नई की टीम अब कोई गलती करने के मूड में नहीं है। दूसरी ओर लखनऊ सुपर जाएंट्स की स्थिति और भी खराब है। टीम अंक तालिका में सबसे नीचे चल रही है और उसकी प्लेऑफ की उम्मीदें लगभग खत्म होने की कगार पर पहुंच चुकी हैं।

नेमार अब भी दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों में शामिल : लियोनेल मेसी

ब्यूनस आयर्स । दिग्गज फुटबॉलर लियोनेल मेसी ने ब्राजील के स्टार खिलाड़ी नेमार की जमकर तारीफ करते हुए कहा है कि वह आज भी दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों में शामिल हैं। मेसी ने उम्मीद जताई कि नेमार अगले महीने होने वाले फीफा वर्ल्ड कप में खेलते नजर आएंगे। एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मेसी ने 'लो डेल पोलो शो' में बातचीत के दौरान कहा कि हर कोई चाहता है कि विश्व कप जैसे बड़े टूर्नामेंट में दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी हिस्सा लें और नेमार हमेशा उन खिलाड़ियों में शामिल रहेंगे। उन्होंने कहा कि ब्राजील और फुटबॉल जगत के लिए नेमार का महत्व बहुत बड़ा है, इसलिए उन्हें विश्व कप में देखना शानदार होगा। मेसी ने स्वीकार किया कि नेमार के साथ उनकी गहरी दोस्ती के कारण वह इस मामले में पूरी तरह निष्पक्ष नहीं रह देश में पहली बार होने जा रही महिला रग्बी प्रीमियर लीग

16 से 28 जून तक हैदराबाद में खेला जाएगा टूर्नामेंट

हैदराबाद । देश में पहली बार रग्गी महिला प्रीमियर लीग (आरपीएल) मुकाबलों का आयोजन होने जा रहा है। ये लीग मुकाबले अगले माह जून में होंगे। ये घोषणा आयोजकों ने की है। उनका कहना है कि इस लीग के आयोजन से देश में महिला रग्बी खिलाड़ियों को प्रौत्साहन मिलेगा। हैदराबाद के गचीबाउली स्टेडियम में ये टूर्नामेंट 16 से 28 जून तक खेला जागा। इसमें चार फ्रेंचाइजी टीमें खिताब के लिए टकरायेंगी। इनमें चेन्नई बुल्स , दिल्ली रेड्ज , मुंबई ड्रीमर्स और कोलकाता बंगा टाइगर्स शामिल हैं। इन लीग को प्रतिष्ठित कॉर्पोरेट घरानों के समर्थन से भी लाभ होगा।

डोपिंग नियमों के उल्लंघन पर बैन; रेसलिंग फेडरेशन ने कहा- उनके व्यवहार से शर्मिंदगी हुई

रेसलर विनेश 26 जून तक घरेलू मुकाबले नहीं खेल पाएंगी

जींद। विनेश फोगाट ने अगस्त 2024 में पेरिस ओलिंपिक से डिसक्वालीफाई होने पर संन्यास लेने का ऐलान किया था। हालांकि, कुछ दिन बाद उन्होंने अपना फैसला वापस ले लिया था।

भारतीय कुश्ती महासंघ ने ओलिंपियन रेसलर विनेश फोगाट पर 26 जून तक डोमेस्टिक कॉम्पिटिशन खेलने पर बैन लगा दिया है। डब्ल्यूफआई ने शनिवार को फोगाट को अनुशासनहीनता और एंटी-डोपिंग नियमों के उल्लंघन के आरोप में कारण बताओ नोटिस जारी किया।

डब्ल्यूफआई ने शनिवार को जारी 15 पन्नों के नोटिस में लिखा कि विनेश ने संन्यास से वापसी के लिए छह महीने पहले सूचना नहीं दी। इससे डब्ल्यूफआई संविधान, यूनाइटेड वर्ल्ड रेसलिंग नियमों तथा एंटी-डोपिंग प्रावधानों का उल्लंघन हुआ।

डब्ल्यूफआई ने कहा- उनके व्यवहार से भारतीय कुश्ती की छवि को नुकसान पहुंचा और राष्ट्रीय स्तर पर शर्मिंदगी हुई। साथ ही विनेश से चार प्रमुख आरोपों पर जवाब मांगा और पूछा कि कार्रवाई क्यों नहीं की जाए।

अगस्त 2024 में हुए पेरिस ओलिंपिक में ओवर वेट पाए जाने पर विनेश फोगाट को डिसक्वालीफाई किया गया था। तब उन्होंने कुश्ती से संन्यास लेने का ऐलान किया था। हालांकि, बाद में उन्होंने अपना फैसला वापस ले लिया।

इधर, 18 दिसंबर 2025 को बेंगलुरु में हुए डोप टेस्ट में शामिल न होने पर इसी महीने 4 मई को इंटरनेशनल टेस्टिंग एजेंसी ने विनेश फोगाट को नोटिस जारी किया था।

पिछले हफ्ते पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण पर फिर आरोप लगाए थे

विनेश फोगाट ने 3 मई को डब्ल्यूफआई के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह पर एक बार फिर गंभीर आरोप लगाए थे। सोशल मीडिया पर वीडियो शेयर करके विनेश ने कहा था, यूपी के गोंडा में 10 से 12 मई के बीच सीनियर ओपन रैंकिंग कुश्ती टूर्नामेंट हो रहा है।

आज कुछ मजबूरियों के चलते मैं कहना चाहती हूं कि बृजभूषण शरण के खिलाफ कंप्लेंट करने वाले उन 6 विक्टिम में मैं भी शामिल हूं। मेरी गवाही भी कोर्ट में चल रही है। मेरा उसके घर (गोंडा) में जाकर कॉम्पिटीशन लड़ना मुश्किल होगा। मुझे नहीं लगता कि मैं अपना 100% दे पाऊंगी। एक लड़की के लिए ये काफी मुश्किल होगा।

गुजरात ने राजस्थान को 77 रन से हराया

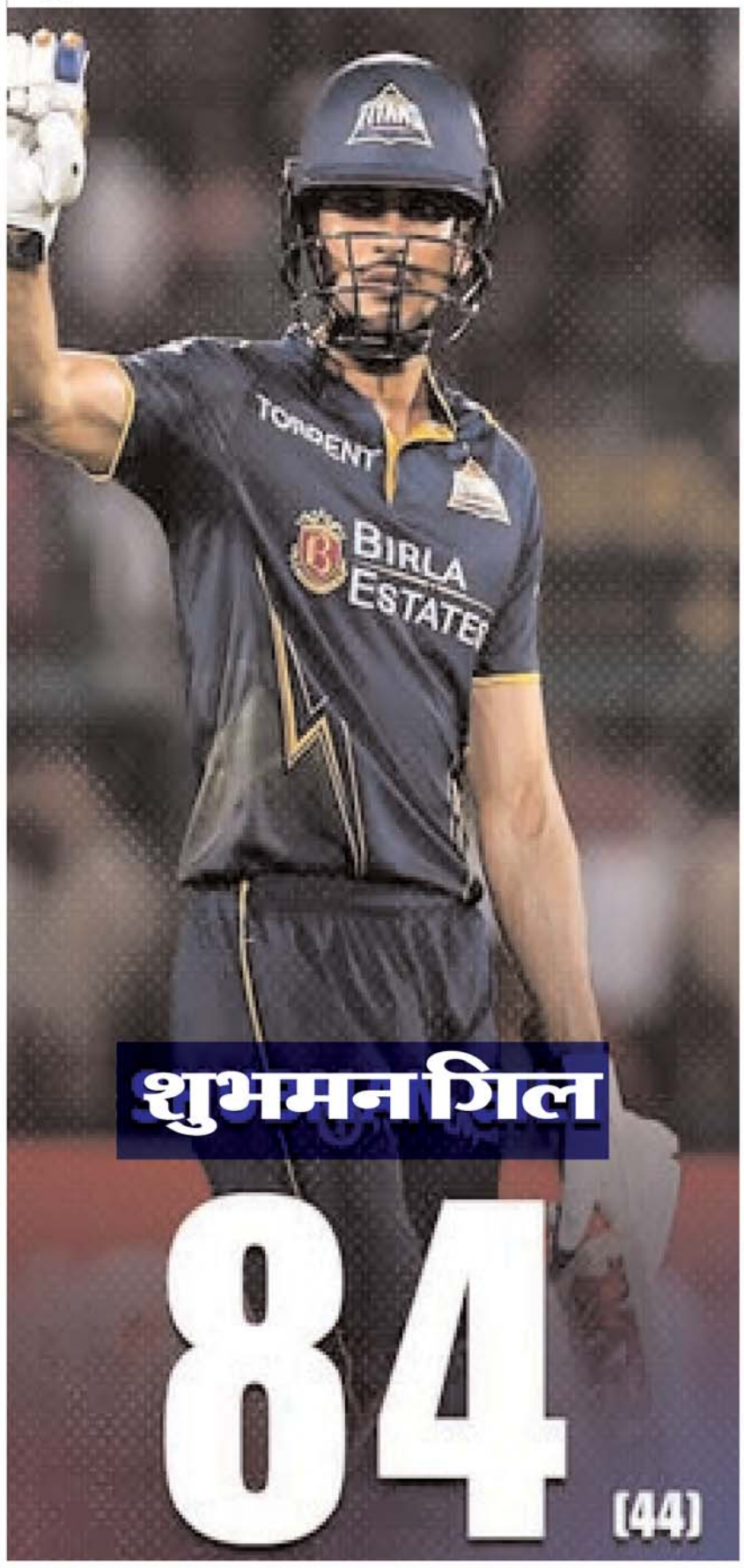

गिल-सुदर्शन की फिफ्टी; राशिद को 4 विकेट

जयपुर । गुजरात टाइटंस ने शनिवार को ढ्वक्क में लगातार चौथी जीत हासिल की। टीम ने राजस्थान रॉयल्स को 77 रन के अंतर से हराया। जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में राजस्थान ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी।

गुजरात ने 20 ओवर में 3 विकेट पर 229 रन बनाए। जवाब में राजस्थान 16.3 ओवर में 152 रन पर ऑलआउट हो गई। उसका कोई भी बैटर फिफ्टी नहीं लगा सका। रवींद्र जडेजा (38 रन) टॉप स्कोरर रहे। वैभव सूर्यवंशी ने 16 बॉल पर 36 रन बनाए।

गुजरात के राशिद खान ने 33 रन देकर 4 विकेट झटके। जेसन होल्डर को 3 और कगिसो रबाडा को 2 विकेट मिले। मैच का स्कोरबोर्ड

गिल और सुदर्शन ने फिफ्टी लगाई

कप्तान शुभमन गिल ने 44 बॉल पर 9 चौकों और 3 छक्कों से सजी अर्धशतकीय पारी खेली। साई सुदर्शन ने 36 बॉल पर 55 रन बनाए। साई ने 6 चौके और 2 छक्के लगाए। राजस्थान के बृजेश शर्मा को 2 विकेट मिले। राशिद और होल्डर की घातक गेंदबाजी

गुजरात ने राजस्थान को हराया

साई सुदर्शन और शुभमन गिल की तूफानी बल्लेबाजी के बाद राशिद खान और जेसन होल्डर की घातक गेंदबाजी के दम पर गुजरात टाइटंस ने राजस्थान रॉयल्स पर 77 रनों से शानदार जीत दर्ज की। शनिवार को जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी गुजरात ने 20 ओवर में चार विकेट पर 229 रन बनाए। जवाब में राजस्थान की टीम 16.3 ओवर में सिर्फ 152 रन ही बना सकी और ऑलआउट हो गई।

जडेजा आउट हुए

राशिद खान ने राजस्थान को सातवां झटका दिया है। उन्होंने रवींद्र जडेजा को एलबीडब्ल्यू आउट किया। वह 25 गेंदों में 38 रन बनाकर पवेलियन लौटे। अब दसुन शनाका का साथ देने जोफ्रा आर्चर आए हैं।

राजस्थान को छठा झटका

राजस्थान को छठा झटका राशिद ने ही दिया। उन्होंने शुभम दुबे को बोल्ड किया। वह 15 रन बनाकर लौटे। अब जडेजा का साथ देने दसुन शनाका आए हैं।

राशिद खान ने दो विकेट झटके

राशिद खान ने जुरेल और फरेरा को बोल्ड किया। 91 के स्कोर पर राजस्थान के पांच विकेट गिर चुके हैं। फिलहाल रवींद्र जडेजा और शुभम दुबे क्रीज पर हैं।

इंडोनेशिया बना क्रिकेट का नया हब

जकार्ता। बैडमिंटन के लिए मशहूर इंडोनेशिया क्रिकेट की दुनिया में भी अपनी पहचान बनाने में जुटा है। वही इंडोनेशिया, जिसने ओलिंपिक में बैडमिंटन के जरिए आठ गोल्ड जीते और दुनिया को कई बड़े खिलाड़ी दिए, अब क्रिकेट में रिकॉर्ड पर रिकॉर्ड बना रहा है। यह मानना मुश्किल लगता है कि भारत-ऑस्ट्रेलिया जैसे बड़े देशों से ज्यादा टी20 कोई और देश खेल सकता है, लेकिन 2025 में इंडोनेशिया ने ऐसा कर दिखाया।

उसकी पुरुष टीम ने एक साल में 45 टी20 इंटरनेशनल मुकाबले खेले, जो किसी टीम द्वारा एक कैलेंडर ईयर में सबसे ज्यादा हैं। इंडोनेशिया ने कंबोडिया के खिलाफ नौ मैचों की सीरीज 8-0 से जीती। पिछले चार वर्षों में क्रिकेट ने वहां तेजी से जगह बनाई है। 17 हजार से ज्यादा द्वीपों और करीब 28 करोड़ आबादी वाले इस देश में अब ढाई लाख से ज्यादा लोग क्रिकेट खेल रहे हैं। इंडोनेशिया क्रिकेट बोर्ड के अध्यक्ष अभिराम एस यादव कहते हैं 'क्रिकेट अब राष्ट्रीय खेल महोत्सव का हिस्सा है और ओलिंपिक में क्रिकेट की वापसी ने खेल को नई ताकत दी है। सरकार भी अब क्रिकेट को गंभीरता से देखने लगी है।

उत्तराखंड के स्पोर्ट्स कॉलेजों में एडमिशन शुरू

देहरादून। उत्तराखंड में खेलों में अपना भविष्य बनाने का सपना देख रहे 10 से 13 साल के बच्चों के लिए प्रदेश के प्रतिष्ठित 'राज्य वित्तपोषित' स्पोर्ट्स कॉलेजों (कक्षा 6) में प्रवेश प्रक्रिया शुरू हो गई है। आवेदन की अंतिम तिथि 14 मई तय की गई है। एडमिशन की स्थिति, चयन प्रक्रिया और सीटों को लेकर महाराणा प्रताप स्पोर्ट्स कॉलेज देहरादून के प्रधानाचार्य राजेश ममगाईं से खास जानकारी दी।

120 सीटों पर मुकाबला, किसी खेल का कोई फिक्स कोटा नहीं

प्रिंसिपल राजेश ममगाईं ने बताया कि इस साल तीनों स्पोर्ट्स कॉलेजों (महाराणा प्रताप कॉलेज देहरादून, हरि सिंह थापा पिथौरागढ़ और बालिका स्पोर्ट्स कॉलेज चंपावत) में कुल मिलाकर लगभग 120 सीटों पर प्रवेश होना है। इसमें महाराणा प्रताप स्पोर्ट्स कॉलेज के पास 60 सीटें हैं। अक्सर यह सवाल उठता है कि क्या क्रिकेट, बॉक्सिंग या एथलेटिक्स जैसे खेलों के लिए सीटें पहले से तय होती हैं। इस पर प्रिंसिपल ने स्पष्ट किया कि, 'किसी भी खेल के लिए कोई कोटा तय नहीं होता। यह पूरी तरह से बच्चों की मेरिट पर निर्भर करता है कि किस खेल के कितने बच्चे सेलेक्ट होकर आते हैं।

गिरो डीइटालिया - स्टेज 1 - नेसेबार से बुर्गास तक साइकिलिंग रेस के दौरान बुल्गारिया - के पॉल मैगिनयर स्टेज 1 जीतने के लिए फिनिश लाइन पार करने के बाद जश्न मनाते हुए।

लेबनान को 4-0 से हराया,पहली बार नॉकआउट में ; जीत पर वर्ल्डकप के लिए क्वालिफाई

एफसी अंडर-17 महिला एशियन कप के क्वार्टर फाइनल में भारत

नईदिल्ली। अंडर-17 भारतीय महिला फुटबॉल टीम पहली बार एफसी अंडर-17 महिला एशियन कप 2026 के क्वार्टरफाइनल में पहुंची है। चीन के सूझोऊ में खेले गए आखिरी ग्रुप मैच में भारत ने लेबनान को 4-0 से हराया। प्रीतिका बर्मन ने दो गोल किए, जबकि अल्वा देवी संजम और जोया ने एक-एक गोल दागा। भारत ने ग्रुप स्टेज 3 अंकों के साथ खत्म किया और थाईलैंड के साथ 'बेस्ट थर्ड प्लेस' टीम के तौर पर अंतिम आठ में जगह बनाई।

छठे मिनट में भारत ने पहला गोल दागा

भारत ने शुरुआत से ही लेबनान पर दबाव बनाए रखा। छठे मिनट में दिव्यानी लिंडा के लॉन्ग पास पर प्रीतिका बर्मन ने गोल कर भारत को 1-0 की बढ़त दिलाई। 35वें मिनट में अल्वा देवी संजम ने स्कोर 2-0 कर दिया। दूसरे हाफ में भारत ने दो और गोल कर लेबनान की वापसी के रास्ते बंद कर दिए।

2004 के बाद पहली बार नॉकआउट में पहुंची महिला टीम

भारतीय महिला फुटबॉल के लिए यह बड़ी उपलब्धि है। 2004 मे एफसी अंडर-19 महिला चैंपियनशिप के बाद पहली बार भारत की किसी महिला टीम ने एशियन कप के नॉकआउट स्टेज में जगह बनाई है। वहीं, 2018 में अंडर-16 पुरुष टीम के क्वार्टर फाइनल में पहुंचने के बाद यह किसी भी भारतीय टीम का पहला नॉकआउट है।

चीन से होगा क्वार्टर फाइनल मुकाबला

सोमवार को क्वार्टर फाइनल में भारत का मुकाबला मेजबान चीन से होगा। चीन ग्रुप- में तीनों मैच जीतकर 9 अंकों के साथ टॉप पर रहा। मैच सूझोऊ स्पोर्ट्स सेंटर स्टेडियम में खेला जाएगा। चीन टूर्नामेंट की सबसे मजबूत टीमों में से एक है, इसलिए भारत के लिए यह मुकाबला कड़ी चुनौती होगा।

वर्ल्ड कप के लिए सिर्फ एक जीत की दूरी

अगर भारत सोमवार को चीन को हराता है, तो टीम सीधे मोरक्को में होने वाले स्नढ्ढस्र अंडर-17 महिला वर्ल्ड कप 2026 के लिए क्वालीफाई कर लेगी। यह पहली बार होगा जब कोई भारतीय टीम (पुरुष या महिला) अपनी काबिलियत के दम पर किसी भी लेवल के स्नढ्ढस्र वर्ल्ड कप के लिए क्वालीफाई करेगी। इससे पहले भारत ने 2017 (-17 पुरुष) और 2022 (-17 महिला) वर्ल्ड कप में मेजबान होने के नाते हिस्सा लिया था।

दबाव बढ़ते ही तिलमिलाए साइबर व थाना प्रभारी, कैसे भी एक मामला पकड़ो का फरमान

सट्टे की आग में झुलसती युवा पीढ़ी, सेटिंग की छाया में पुलिस

चांपा/मूक पत्रिका

चांपा में सट्टा कारोबार अपने चरम पर पहुंच चुका है। आईपीएल के बहाने खुलेआम चल रहा यह अवैध धंधा अब पूरी एक पीढ़ी को बर्बादी की कगार पर धकेल रहा है। युवा लालच में आकर अपनी मेहनत की कमाई सट्टे में झोंक रहे हैं, जबकि पुलिस की कथित सेटिंग के चलते सट्टेबाज बेखौफ होकर अपना नेटवर्क चला रहे हैं।लगातार खबरों के प्रकाशन और ऊपर से बढ़ते दबाव के बाद अब साइबर सेल और चांपा थाना प्रभारी की तिलमिलाहट साफ नजर आने लगी है। सूत्रों के अनुसार, दोनों ही प्रभारी अपने-अपने स्टाफ पर दबाव बना रहे हैं ÷कुछ भी हो, सट्टे पर कार्रवाई दिखनी चाहिए, कैसे भी करके एक मामला पकड़ो।÷

सेटिंग से खुली छूट, बदनामी से बचने को 'एक-दो केस' की कवायद! - नगर में इस अचानक सक्रियता को लेकर तरह-तरह की चर्चाएं हैं। लोगों का कहना है कि एक तरफ सट्टेबाजों से मोटी रकम लेकर उन्हें खुलेआम सट्टा चलाने की छूट दी गई, और दूसरी तरफ जब मीडिया ने सवाल उठाए तो पुलिस विभाग की बदनामी सामने आने लगी। अब उसी बदनामी से बचने के लिए ÷एक-दो छोटे मामले बनाकर मामला शांत करने÷ की कोशिश की जा रही है। सटोरियों को पहले अलर्ट, फिर दिखावटी कार्रवाई! - सूत्र यह भी बताते हैं कि जैसे ही उच्च अधिकारियों या मीडिया का दबाव बढ़ता है, वैसे ही ÷शुभचिंतकों÷ के माध्यम से सटोरियों को पहले ही आगाह कर दिया जाता है। नतीजा यह कि कई सटोरियों ने अपनी जगह बदल ली है, तो कुछ ने दो-चार दिन के लिए धंधा बंद कर दिया है। इसके बाद हालात सामान्य दिखाने के लिए किसी छोटे सट्टेबाज पर कार्रवाई कर खानापूर्ति की जाती है।

पुलिस से उठता भरोसा, जनता करने लगी सवाल - इन घटनाक्रमों के बीच नगर में पुलिस के प्रति जनता का भरोसा लगातार कमजोर पड़ता नजर आ रहा है। आम लोग अब खुलकर पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल उठा रहे हैं और चर्चाओं का बाजार गर्म है। लोगों का कहना है कि अब पुलिस का असली चेहरा सामने आने लगा है और जनता भी हर गतिविधि पर नजर रखने लगी है।

फिलहाल, सट्टा नेटवर्क भले ही कुछ दिनों के लिए भूमिगत हुआ हो, लेकिन सवाल यह है क्या यह कार्रवाई वास्तविक होगी या फिर हमेशा की तरह दिखावे की भेंट चढ़ जाएगी?

जिला बॉडी बिल्डिंग चैंपियनशिप का भव्य आयोजन 30 मई को

चांपा में पहली बार इतने बड़े स्तर पर बॉडी बिल्डिंग प्रतियोगिता

जांजगीर-चांपा/मूक पत्रिका

कोसा-कांसा-कंचन की नगरी चांपा में खेल प्रेमियों के लिए एक बड़ी और हर्ष की खबर है। आगामी 30 मई 2026, शनिवार को गांधी भवन मैदान, चांपा में जिला बॉडी बिल्डिंग चैंपियनशिप का भव्य आयोजन किया जा रहा है। इस प्रतियोगिता में पूरे जांजगीर-चांपा जिले से लगभग 100 से 120 बॉडी बिल्डर भाग लेकर अपनी फिटनेस और प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे।आयोजन समिति के अनुसार, इस चैंपियनशिप को चार अलग-अलग वर्गों में आयोजित किया जाएगा। इसमें पहला वर्ग सीनियर बॉडी बिल्डिंग, दूसरा वर्ग मास्टर बॉडी बिल्डिंग (40 वर्ष या उससे अधिक आयु वर्ग), तीसरा वर्ग विकलांग बॉडी बिल्डिंग, तथा चौथा वर्ग मेंस फिजिक्स (मॉडलिंग) रहेगा। सभी वर्गों में प्रतिभागियों के लिए अलग-अलग प्रतिस्पर्धा और निर्णयन की व्यवस्था की गई है।आयोजन को सफल बनाने में डी बी वेंचर्स के संचालक धीरेंद्र बाजपेई का महत्वपूर्ण सहयोग प्राप्त हुआ है। आयोजन समिति के पदाधिकारियों मोहम्मद सलीम बख्शी, गुलाम मुस्तफा नूरी, सुनील यादव एवं किशन शर्मा ने श्री बाजपेई के प्रति आभार व्यक्त करते हुए उनके सहयोग के लिए दिल से धन्यवाद ज्ञापित किया है।आयोजन समिति ने जिले के सभी खेल प्रेमियों और युवाओं से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर इस भव्य बॉडी बिल्डिंग चैंपियनशिप को सफल बनाएं और खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करें।

11 मई को राजस्व शिविर का आयोजन

सारंगढ़ बिलाईगढ़ जिले में 11 मई को राजस्व शिविर सारंगढ़ तहसील के ग्राम गोड़ीहारी, मौहाढोढा, सिंगारपुर, बरमकेला तहसील के ग्राम बारादवन, धौरादरहा, पिक्रीमाल, कमरीद, सरिया तहसील के ग्राम बुदबुदा, गोबरसिंघा, गिरहुलपाली, तोरा, बिलाईगढ़ ब्लॉक के ग्राम दोमुहानी, भटगांव तहसील के डुरूमगढ़, भटगांव, दुरुग, तेन्दुदरहा, सरसीवा तहसील के ग्राम टिहलीपाली मोहतरा स, धोबनी और कोसीर उप तहसील के ग्राम बरभांठा ब में किया जायेगा, जहां राजस्व कार्य जैसे सीमांकन, अविवादित नामांतरण, बंटवारा, त्रुटि सुधार, जाति, आय, निवास प्रमाण पत्र, ऋण पुस्तिका आदि का निराकरण होगा।

जहां इलाज मिलता है, वहीं फैल रहा प्रदूषण! मेडिकल वेस्ट बना मुसीबत

अलबेलापारा में जहरीले धुएं से लोग परेशान

कांकेर/मूक पत्रिका

विक्रम ठाकुर/ :-कांकेर शहर के अलबेलापारा वार्ड स्थित शासकीय अस्पताल पर मेडिकल वेस्ट के उचित निपटान नहीं करने का आरोप लग रहा है। वार्डवासियों का कहना है कि अस्पताल द्वारा मेडिकल कचरे को इधर-उधर फेंक दिया जाता है, जिससे आसपास का वातावरण लगातार प्रदूषित हो रहा है।

स्थानीय लोगों के अनुसार कई बार मेडिकल वेस्ट में आग भी लगा दी जाती है, जिससे निकलने वाला धुआं जहरीला और स्वास्थ्य के लिए खतरनाक साबित हो रहा है। लोगों ने बताया कि अस्पताल बनने से पहले अलबेलापारा क्षेत्र का वातावरण साफ-सुथरा और स्वास्थ्यवर्धक माना जाता था, लेकिन अब हालात लगातार बिगड़ते जा रहे हैं। वार्डवासियों का आरोप है कि इस संबंध में कई बार मौखिक एवं लिखित शिकायतें प्रशासन को दी जा चुकी हैं, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है।

लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि जल्द टीम भेजकर स्थल निरीक्षण कराया जाए, वार्डवासियों के बयान लिए जाएं और मेडिकल वेस्ट के उचित निपटान की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। स्थानीय नागरिकों ने चेतावनी दी है कि यदि समय रहते कार्रवाई नहीं की गई तो क्षेत्र में गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं।

उद्योग भूमि में डायवर्जन शुल्क छूट ऑनलाइन न मिलने पर स्वाधीन जैन ने चैम्बर अध्यक्ष को सौंपा ज्ञापन

दल्लीराजहरा/बालोद/मूक पत्रिका

छत्तीसगढ़ चैम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज, रायपुर के बालोद जिला मंत्री स्वाधीन जैन ने प्रदेश अध्यक्ष श्री सतीश थौरानी जी को ज्ञापन सौंपा। स्वाधीन जैन ने बताया गया कि छत्तीसगढ़ शासन की ÷औद्योगिक विकास नीति 2024-30÷ के अंतर्गत स्वस्थ एवं विनिर्माण इकाइयों को औद्योगिक प्रयोजन हेतु भूमि डायवर्जन शुल्क में लगभग 50त्न तक छूट का प्रावधान किया गया है। परंतु वर्तमान में ऑनलाइन भूमि डायवर्जन पोर्टल में उक्त छूट का विकल्प उपलब्ध नहीं हो रहा है।इस तकनीकी खामी के कारण नए उद्योग स्थापित करने वाले स्वस्थ उद्यमियों को शासन द्वारा घोषित छूट का लाभ ऑनलाइन प्रक्रिया में प्राप्त नहीं हो पा रहा है तथा उन्हें पूर्ण शुल्क भुगतान की स्थिति उत्पन्न हो रही है। इससे नए एवं लघु उद्योग स्थापित करने वाले उद्यमियों को शुरुआत में ही आर्थिक व प्रक्रियात्मक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। बालोद जिला मंत्री स्वाधीन जैन ने कहा कि शासन की मंशा उद्योगों को प्रोत्साहन देने की है, परंतु ऑनलाइन प्रणाली में आवश्यक प्रावधान उपलब्ध नहीं होने से नीति का वास्तविक लाभ जमीनी स्तर पर प्राप्त नहीं हो पा रहा है। उन्होंने चैम्बर अध्यक्ष से आग्रह किया कि संबंधित विभाग एवं शासन स्तर पर आवश्यक तकनीकी अपडेट करवाने हेतु उचित पहल करें, जिससे पात्र औद्योगिक इकाइयों को शासन द्वारा निर्धारित भूमि डायवर्जन शुल्क छूट का लाभ ऑनलाइन प्रक्रिया में भी सुगमता से प्राप्त हो सके।इस अवसर पर ज्ञापन सौंपते समय चैम्बर के पदाधिकारी श्री राजेश वाशवानी कार्यकारी अध्यक्ष, श्री जसप्रीत सलूजा कार्यकारी अध्यक्ष, युवा नेता श्री जयदीप गुप्ता, श्री दिलीप इशारानी, श्री जीतू शादीजा प्रमुख रूप से उपस्थित थे। चैम्बर अध्यक्ष श्री सतीश थौरानी ने तत्काल मामले को संज्ञान में लेते हुए कहा कि इस विषय पर माननीय मंत्री श्री ओ.पी. चौधरी जी से मिलकर चर्चा की जाएगी और समस्या का शीघ्र निदान कराया जाएगा।

11 मई को खड़गेश्वर महादेव मंदिर में मनाया जाएगा सोमनाथ स्वाभिमान पर्व

सारंगढ़ बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

द्वादश ज्योतिर्लिंग सोमनाथ पर महमूद गजनवी द्वारा वर्ष 1026 में किए गए हमले के बावजूद भारत की सनातन संस्कृति और अटूट आस्था के 1000 वर्षों का स्मरणोत्सव सहस्राब्दी (1026-2026) समारोह देश में सोमनाथ स्वाभिमान पर्व के रूप में मनाया जा रहा है। यह भारत की संस्कृति की जीवटता और सांस्कृतिक विरासत का जश्न है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के द्वारा सोमनाथ मंदिर में विशेष पूजा किया जाएगा, जिसके अनुसरण में सारंगढ़ के खाड़ाबंध तालाब किनारे खड़गेश्वर महादेव मंदिर में लाइव प्रसारण और विशेष पूजा किया जाएगा। संस्कृति विभाग ने सभी श्रद्धालु जनों, जनप्रतिनिधियों को इस पर्व में शामिल होकर सहभागी बनने का आह्वान किया है।

चंद्रपुर-सरिया मार्ग पर सड़क हादसा, साइकिल सवार बुजुर्ग की मौत..

सारंगढ़ बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

चंद्रपुर-सरिया मुख्य मार्ग पर सोमवार को हुए दर्दनाक सड़क हादसे में एक बुजुर्ग की मौत हो गई। हादसा बड़े मानिकपुर यात्री प्रतीक्षालय के पास हुआ, जहां अज्ञात वाहन की चपेट में आने से साइकिल सवार बुजुर्ग ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान तिहारू नायक पिता गोपाल नायक उम्र करीब 50 वर्ष निवासी ग्राम बिनधनपाली थाना सोहिला जिला बरगढ़ के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि तिहारू नायक अपनी साइकिल से चंद्रपुर की ओर से कटंगपाली जा रहे थे, तभी बड़े मानिकपुर यात्री प्रतीक्षालय के पास हादसे का शिकार हो गए। घटना की सूचना मिलते ही सरिया थाना प्रभारी नंदलाल राठिया पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। उनके साथ प्रधान आरक्षक टीकाराम पटेल, प्रधान आरक्षक सुरेंद्र सिदार और आरक्षक श्रवण टंडन भी मौजूद रहे। पुलिस ने घटनास्थल का मुआयना कर मर्ग पंचनामा तैयार किया और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। बाद में अस्पताल में मृतक की पहचान उनके बेटे सत्यवान नायक ने की। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है और हादसे को अंजाम देने वाले वाहन की तलाश की जा रही है।

चंद्रपुर के पुलिस कर्मी रिश्वत लेते चढ़ा एसीबी के हत्थे

सक्ति/मूक पत्रिका

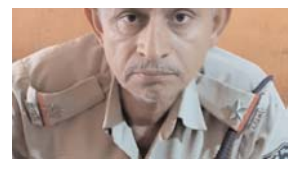

जिले के चंद्रपुर थाना में पदस्थ स्ढ़ 20 हजार रुपये रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया है. यह कार्रवाई बिलासपुर ष्टक की टीम द्वारा किया गया है, जानकारी के मुताबिक कार्रवाई से बचाने के लिए एसएन मिश्रा ने 40 हजार की रिश्वत की मांग की थी और 20 हजार रुपये पहले ही ले चुका था तभी रिश्वत के दूसरे किस्त की राशि लेते वक्त एसआई को दबोच लिया। बता दे जानकारियों के मुताबिक , ग्राम बालपुर थाना चंद्रपुर जिला सक्ती निवासी शिव प्रसाद बरेठ द्वारा एसीबी कार्यालय बिलासपुर में इस आशय से शिकायत की गई थी कि उसके व उनके परिवार के सदस्यों के नाम से ग्राम बालपुर के सरस्वती जायसवाल द्वारा मारपीट करने के संबंध थाना चंद्रपुर में रिपोर्ट कराई गई थी, जिसमें कड़ी कार्यवाही से बचने के लिए थाना चंद्रपुर के सहायक उप निरीक्षक एस.एन मिश्रा द्वारा 40000 रुपए रिश्वत की मांग किया जा रहा था। लेकिन एस.एन. मिश्रा को 40000 रुपए रिश्वत नहीं देना चाहता बल्कि उसे रंगे हाथ पकड़वाना चाहता है। शिकायत का सत्यापन कराने पर शिकायत सही पाई गई, सत्यापन के दौरान आरोपी एस.एन. मिश्रा द्वारा प्रार्थी से 20000 रुपए ले लिया गया था तथा शेष 20000 रुपए दिया जाना शेष था जिस पर ट्रैप की योजना तैयार की गई । आज दिनांक 10.05.26 को प्रार्थी द्वारा आरोपी मिश्रा को ढाबा चंद्रपुर में शेष रिश्वत रकम को देने के लिए बुलाया गया जहां पर रिश्वत रकम 20000 रुपए आरोपी मिश्रा द्वारा लिए जाने पर एसीबी बिलासपुर की टीम द्वारा उसे रंगे हाथ पकड़ लिया गया तथा रिश्वत रकम बरामद कर ली गई ! पकड़े गए आरोपी के विरुद्ध लगातार रिश्वत खोरी किए जाने की जानकारी मुखबिर सूत्रों से भी एसीबी को प्राप्त हो रही थी। आरोपी के विरुद्ध धारा 7 भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 के तहत एसीबी द्वारा कार्यवाही की जा रही है ।गौरतलब है कि एसीबी के द्वारा भ्रष्ट अधिकारियों /कर्मचारियों की लगातार कार्यवाही की जा रही है इसी अनुक्रम में उक्त कार्यवाही की गई ।एसीबी द्वारा किसी भी विभाग के लोकसेवक द्वारा रिश्वत की मांग किए जाने पर तत्काल सूचना देने हेतु अपील की गई है।।

ऑडियो क्लिप से खुला राज, आरोपी गिरफ्तार

घरघोड़ा : पुलिस के नाम पर रेप केस में जेल भेजने की धमकी देकर 40 हजार की वसूली का प्रयास

रायगढ़/मूक पत्रिका

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शशि मोहन सिंह के दिशा-निर्देशन पर आम नागरिकों को पुलिस कार्रवाई का भय दिखाकर भयादोहन करने की शिकायत पर त्वरित व प्रभावी कार्रवाई की गई है। थाना घरघोड़ा पुलिस ने बलात्कार प्रकरण में जेल भेजने की धमकी देकर युवक और उसके परिवार से 40 हजार रुपये की अवैध मांग करने वाले आरोपी श्याम भोजवानी को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, मामले में वार्ड क्रमांक 10 घरघोड़ा निवासी साहिल यादव (पिता सुशील यादव, उम्र 26 वर्ष) द्वारा 09 मई 2026 को थाना घरघोड़ा में लिखित आवेदन प्रस्तुत कर वार्ड क्रमांक 02 घरघोड़ा निवासी श्याम भोजवानी के विरुद्ध शिकायत दर्ज कराई गई। प्रार्थी ने बताया कि पिछले लगभग चार-पांच वर्षों से उसका धरमजयगढ़ क्षेत्र की एक युवती से प्रेम संबंध था। कुछ दिनों पूर्व आपसी अनबन होने पर युवती 07 मई 2026 को थाना घरघोड़ा पहुंची थी, साहिल भी श्याम भोजवानी के साथ थाना आया था। दोनों पक्षों में बातचीत के बाद समझौता हो गया और युवती द्वारा किसी प्रकार की रिपोर्ट दर्ज नहीं कराई गई। प्रार्थी साहिल यादव के अनुसार, उसी दिन शाम करीब 06 बजे श्याम भोजवानी उसके मोहल्ले पहुंचा और उसके परिवार को धमकाते हुए कहा कि थाना में 50 हजार रुपये देने पड़ेंगे, अन्यथा बलात्कार के मामले में जेल भेज दिया जाएगा। परिवार द्वारा असमर्थता जताने पर श्याम भोजवानी ने 40 हजार रुपये में काम करा देने की बात कहते हुए किसी भी तरह रकम की व्यवस्था करने का दबाव बनाया।आरोपी लगातार मोबाइल कॉल कर प्रार्थी और उसकी मां पर रकम जल्दी देने का दबाव बनाते हुए जेल भेजने की धमकी देकर परेशान कर रहा था।शिकायतकर्ता ने स्पष्ट बताया कि किसी पुलिस अधिकारी या कर्मचारी द्वारा उससे किसी प्रकार की रकम की मांग नहीं की गई थी और न ही उसे दोबारा थाना बुलाया गया था। शिकायत की गंभीरता को देखते हुए थाना घरघोड़ा में आरोपी के विरुद्ध अपराध क्रमांक 158/2026 के तहत धारा 308(2), 308(6), 62 बीएनएस के अंतर्गत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना शुरू की गई। थाना प्रभारी घरघोड़ा निरीक्षक कुमार गौरव साहू द्वारा विवेचना के दौरान प्रार्थी से आरोपी द्वारा मोबाइल फोन पर रकम मांगने संबंधी बातचीत का ऑडियो क्लिप प्राप्त कर पेन ड्राइव में सुरक्षित जब्त किया गया। पर्याप्त साक्ष्य मिलने पर आज 10 मई 2026 को आरोपी श्याम भोजवानी (पिता स्वर्गीय लक्ष्मण प्रसाद भोजवानी, उम्र 56 वर्ष, निवासी वार्ड क्रमांक 02 साईराम कॉलोनी, घरघोड़ा) को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक रिमांड पर भेजा गया। एसएसपी शशि मोहन ने कहा कि पुलिस, कानून या किसी आपराधिक प्रकरण का भय दिखाकर पैसे की मांग करना अपराध है। आम नागरिक ऐसे मामलों में किसी भी बहकावे में न आएं और तत्काल पुलिस को सूचना दें। कानून का नाम लेकर अवैध वसूली करने वालों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक आशिष कुमार कंठले द्वारा कलयुग का भारत द्वारा अग्रदूत कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, भाजपा कार्यालय के पास, रायपुर, जिला-रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित एवं वार्ड नंबर 18 बाजार पारा बेमेतरा पोस्ट व जिला बेमेतरा छ.ग. पिन कोड 491335 से प्रकाशित । संपादक आशिष कुमार कंठले समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार मो. नं. 7999238079, 7828658259, समस्त विवादों का निपटारा बेमेतरा न्यायालय होगा।